तापमान
अधिकतम 34.7 डिग्री
न्यूनतम 16.0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 29 मार्च 2026

11 रोहतक को टॉप स्वच्छ शहर बनाने की तैयारी तेज

12 फेलियर प्रोजेक्ट साबित हुआ अप्पू घर फूड कोर्ट...

MATRIX CLASSES
... Run by IITian
IIT-JEE (MAIN & ADVANCE)
MEDICAL NEET (UG)
FOUNDATION (HTSE, KVPY & OLYMPIAD)
ONLY 30 SEATS FOR EACH CLASSES
REGULAR ADMISSION OPEN FOR: VII TO XII
FREE TUITION CLASSES FOR STUDENTS OF OUR INSTITUTE AT EVENING TIME
SCHOOLING & COMPETITIVE COACHING AT ONE PLACE
Director:- Mr. Muneem Bhar
(IIT MADRAS, AIR - 163)
Opp. Chhotu Ram Stadium, Basant Vihar, Gali No.3, Sonepat Road, Rohtak | M. : 92533-22220, 9813840432

बर्बरता

तेजधार हथियार के साथ बड़ी बेरहमी से मारा

फरमाणा में मिली युवक की सिर कटी लाश खोपड़ी की खाल उखाड़ी, आंख भी फोड़ी

तीन दिन से लापता था युवक शादी में जाने के लिए घर से बुलाकार ले गए थे दोस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

फरमाणा गांव के खेतों में शनिवार सुबह एक युवक की सिर कटी लाश मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए रोहतक पीजीआई भेज दिया है। जिस हालात में युवक का शव मिला है, उसको देखकर लगता है कि युवक की हत्या किसी तेजधार हथियार के साथ बड़ी बेरहमी के साथ की गई है। मृतक की धड़ और सिर अलग अलग पड़े मिले हैं। सिर से बाल उखाड़कर खाल भी खींची गई है। उसकी आंख भी गायब मिली है। सुबह फरमाणा बादशाहपुर गांव के रकबे में निंदाना रोड पर एक किसान परिवार पशुओं का चारा काटने के लिए खेत में पहुंचा तो वहां पर गेहूं के खेत में एक लाश पड़ी हुई मिली, दो फुट दूर सिर अलग पड़ा हुआ था। इसकी सूचना किसान ने गांव के सरपंच सोमवीर पंवार को दी। सरपंच की सूचना पर सबसे पहले डायल 112 की टीम पहुंची। उसके बाद महम थाना प्रभारी रविंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। एफएसएल इंचार्ज डॉक्टर सरोज दहिया व उनकी टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। सीआईए की टीमें भी वहां पहुंची।

महम। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाती एफएसएल की टीम। फोटो : हरिभूमि

मजदूरी करता था मोहित

मृतक युवक की पहचान फरमाणा खास गांव निवासी 19 वर्षीय मोहित पुत्र वकील उर्फ बनिया के रूप में हुई। युवक का परिवार दिहाड़ी मजदूरी का काम करता है। युवक अविवाहित था और वह भी मजदूरी का काम करता था। युवक के परिजनों का कहना है कि वह तीन दिन से घर से लापता था। तीन दिन पहले शाम को छह बजे उसके कुछ दोस्त उसको घर से बुलाकर ले गए थे। पड़ोस में ही एक शादी थी। वे उसी शादी समारोह में गए थे। उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा।

गुमशुदगी की रिपोर्ट करवाई थी दर्ज

युवक मोहित के परिजनों ने शुक्रवार शाम को महम थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। सुबह उसका शव गांव में ही गेहूं के खेत में पड़ा मिला। पुलिस की टीमें हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई हैं। पुलिस हर उस पहलू से मामले की जांच कर रही है, जिससे पुलिस हत्यारों तक पहुंच सके।

ब्याह शादियों में घुड़चढ़ी के दौरान पैसे उठाता था

युवक और उसके कुछ दोस्त ब्याह शादियों में घुड़चढ़ी के दौरान फेंके जाने वाले पैसे उठाते थे। इससे उनको अच्छी खासी आमदनी हो जाती थी। शायद उस रात को भी उन्होंने ऐसा ही किया होगा और बाद में इन पैसों से पार्टी की होगी। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि इस पार्टी के दौरान झगड़ा हो गया हो। हालांकि यह तो पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही पता चल सकेगा कि हत्या के पीछे वजह क्या थी और यह हत्या किसने की है।

जानवरों ने नोच रखा था मोहित का शव

शव तीन दिन पुराना लग रहा था। क्योंकि शव को जानवरों ने भी नोच रखा था। शव क्षत विक्षप्त हालत में था। खेत में शव के पास गेहूं जमीन पर पसरी हुई थी। लगता है कि हत्या के दौरान वहां पर आपस में छीना झपटी हुई थी। हो सकता है कि अपने बचाव में उसने हत्यारों के साथ मुकाबला किया हो। शव इतनी विभत्स स्थिति में था कि उसकी कमर पर भी कट के गहरे निशान मिले हैं। जबड़ा भी टूटा मिला है, उसके 2 दांत भी टूटे मिले। आंख भी चेहरे से बाहर निकली है।

घटनास्थल पर दूर तक बिछी थी गेहूं की फसल

शव जहां मिला, उसके आसपास कई फीट तक गेहूं की बाली भी टूटी हुई थी। कुछ दूर तक तो फसल बिछी हुई थी। शव भी खेत के बीच में मिला। हालांकि आसपास से अभी कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। उसके धड़ के पास ही कटा हुआ सिर पड़ा था। हालांकि आसपास से अभी कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। उसके धड़ के पास ही कटा हुआ सिर पड़ा था।

राजस्व बढ़ाने और संपत्ति सौदों में पारदर्शिता लाने की कवायद

जमीन के नए कलेक्टर रेट तय करने के लिए लोगों से कल तक मांगे सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजस्व बढ़ाने और संपत्ति लेनदेन को पारदर्शी बनाने की दिशा में प्रशासन ने वर्ष 2026-27 के लिए कलेक्टर रेट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि तहसील रोहतक, सांपला, महम, कलानौर और उप-तहसील लाखनमाजरा के लिए प्रस्तावित दरें तैयार कर 28 मार्च को जिला की आधिकारिक वेबसाइट और जमाबंदी पोर्टल पर अपलोड कर दी गई हैं। डीसी के मुताबिक आमजन इन प्रस्तावित दरों पर अपने सुझाव और आपत्तियां 30 मार्च दोपहर एक बजे तक जमा करवा सकते हैं। इसके लिए उपायुक्त कार्यालय की एचआरआरए शाखा (भूतल, पुरानी बिल्डिंग, कमरा नंबर 23) में लिखित रूप से आवेदन देने के साथ-साथ ई-मेल के माध्यम से भी अपनी राय भेजने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। संबंधित एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार कार्यालयों की ई-मेल आईडी पर भी सुझाव भेजे जा सकते हैं। प्राप्त सभी आपत्तियों और सुझावों पर जिला स्तरीय मूल्यांकन समिति विचार कर अंतिम कलेक्टर रेट तय करेगी। संपत्ति लेनदेन में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।

■ ई-मेल आईडी पर भी सुझाव भेजे जा सकते हैं

स्कूल के कमरों के ताले तोड़कर सीपीयू नकदी और गैस सिलेंडर ले गए चोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलानौर

गांव बसाना में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय एवं प्राथमिक पाठशाला में बीती रात अज्ञात चोरों ने सनसनीखेज चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना का खुलासा शनिवार सुबह उस समय हुआ जब विद्यालय का सफाईकर्मी रोजाना की तरह स्कूल पहुंचा। स्कूल परिसर में दाखिल होते ही उसने देखा कि कार्यालय सहित कई कमरों के ताले टूटे पड़े हैं और अंदर का सामान बिखरा हुआ है। यह देखकर उसने तुरंत विद्यालय प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही विद्यालय के इंचार्ज कृष्ण कुमार सहित अन्य शिक्षक मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि चोरों ने बड़ी सफाई से वारदात को अंजाम देते हुए स्कूल से दो सीपीयू, करीब 10 हजार रुपये नकद, एक गैस सिलेंडर तथा अन्य जरूरी सामान चोरी कर लिया। कमरे अस्त-व्यस्त हालत में मिले, जिससे साफ है कि चोरों ने कीमती सामान की तलाश में पूरी तरह से तलाशी ली।

विद्यालय प्रबंधन बोला, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए

विद्यालय प्रबंधन ने इस घटना को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। ग्रामीणों में भी इस चोरी को लेकर आक्रोश है और उन्होंने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़ने की मांग की है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की बात कही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी हुए सामान की बरामदगी की जाएगी।

योजनाबद्ध तरीके से की वारदात

घटना की जानकारी तुरंत कलानौर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सबूत जुटाने का प्रयास किया और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। प्राथमिक तौर पर पुलिस इसे योजनाबद्ध चोरी मान रही है, क्योंकि चोरों ने स्कूल को निशाना बनाते हुए सुनसान रात का फायदा उठाया।

चालान के नाम पर ठगी

एपीके फाइल पर क्लिक करते ही खाते से उड़े 1.04 लाख

रोहतक। शहर में साइबर ठगों ने एक बार फिर नई चाल चलते हुए एक युवक को अपना निशाना बना लिया। इस बार ठगों ने आरटीओ चालान के नाम पर व्हाट्सएप के जरिए एपीके फाइल भेजकर युवक के बैंक खाते से 1 लाख 4 हजार की रकम उड़ा ली। मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित ने अगले दिन अपना बैंक अकाउंट चेक किया।

■ व्हाट्सएप पर आए फर्जी लिंक से युवक बना शिकार

फिलहाल साइबर क्राइम थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित दीपक कुमार, जो एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत हैं, ने बताया कि 13 मार्च को उनके व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से आरटीओ चालान के नाम पर एक एपीके फाइल प्राप्त हुई। सामान्य सूचना समझकर उन्होंने अनजाने में उस फाइल पर क्लिक कर दिया। इसके बाद उनके मोबाइल पर लगातार ओटीपी से जुड़े मैसेज आने लगे, जिन्हें उन्होंने गंभीरता से नहीं लिया। रात के समय उनके खाते से चार अलग-अलग ट्रांजैक्शन के माध्यम से कुल 1.04 लाख की राशि निकाली जा चुकी थी। बैंक से संपर्क करने पर पता चला की ठगी हो गई।

DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL
Run by : AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
C.B.S.E. AFFILIATION NO. 530982
दुहन पब्लिक रेजिडेंसियल स्कूल, जसिया/आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीट्यूट, रोहतक ने 10+2 साईंस में रचा इतिहास तीन बार हरियाणा और पांच बार जिला टॉप किया।
IIT/JEE ADVANCED 2024 में दुहन पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल
IIT/JEE MAINS QUALIFIED 2024 आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीट्यूट के 16 छात्रों में से 15 ने क्वालिफाइड किया
NEET/JEE SELECTION 2025 IN GOVT. MEDICAL COLLEGE
LAVANYA SAINI — Agartala Govt. Medical College, Agartala, Kunjaban, Agartala, Tripura West, Tripura — Rank : 22744 NEET SCORE -532
SACHIN — (Artificial Intelligence) IIT GUHATI-2025
TANNU NAIN — COLLEGE - PGIMS, ROHTAK MBBS — Rank : 5704
JEE-2025 QUALIFIED — VIR HOODA 94% ANKUR 96% ASHIYA 97.5%
BHARAT HOODA — NDA SSB QUALIFIED 2026
IIT JEE ADVANCE 2024
ANSH DUHAN — S/o Dr. Ashok Duhan Sir — Rank : 11002
RISHABH — With Dr. Ashok Duhan Sir — CRL : 17548, OBC_NCL:4315
YASH LAMBA — With Dr. Ashok Duhan Sir — CRL : 11852
Tanamya God and ANUJ LATHWAL — IIT/JEE QUALIFIED 2026
NEET/NDA SELECTION 2024 IN MEDICAL COLLEGE
YURAJ VERMA — With Dr. Ashok Duhan Sir — Score : 660/720 Rank : 21714
ANSH DUHAN S/O DR. ASHOK DUHAN — NEET - 2024 (MBBS)
SUHANI DUHAN D/O DR. ASHOK DUHAN — NEET - 2024 (MBBS)
SANJEET BHARDWAJ — NEET - 2024, Rank-5028 Marks : 685/720
JAI KAUSHIK — NDA - 2024 SSB QUALIFIED
ARYAN MALIK — IMUCAT-2024 MARCHANT NAVY
ANKITA — NEET - 2024 (MBBS) Marks : 501/720 (SC-A)
SAGAR — JOIN : VETERINARY SURGEON (2024)
Rohit — Superintendent VPO. DHAMAR — Batch - 2020 Department : CBSE Current Posting : CBSE Regional Office
DR. ASHOK DUHAN — M.Sc., M.Ed., Ph.D. (Math) Lecturer in Math (Exp. 18 Years) (Ex. Lecturer in Jat Institution, Rohtak) Mob.: 9416148363, 9996059603
DR. SUNITA DUHAN — HOD Chemistry Maharani Kishori Jat Kanya Mahavidyalaya, Rohtak Ex-Scientist FSL Madhuban Karnal Mob.: 93507 84933
PRINCIPAL MRS. ANU RANA — 26 Yrs Exp. From Jat Institution Mob.: 9896205969
SECRETARY SANTOSH MALIK — Mob.: 9253183528
CENTRE HEAD SANJAY DUHAN — KATH MANDI, ROHTAK Mob.: 9466903708

अच्छी पहल

पढ़ाई का सस्ता और सुलभ विकल्प मिलेगा

जाट भवन में 1.5 करोड़ से बनेगी आधुनिक लाइब्रेरी, छात्रों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टर-1 स्थित जाट भवन में जल्द ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए एक बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। नगर निगम ने यहां करीब 1.50 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक लाइब्रेरी बनाने का प्रस्ताव जाट महासभा को भेजा है। प्रस्ताव को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं और मंजूरी के बाद निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। लाइब्रेरी का मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को बेहतर और सुलभ पढ़ाई का माहौल उपलब्ध कराना है, जो महंगी निजी लाइब्रेरी का खर्च उठाने में सक्षम नहीं हैं। शहर में वर्तमान में कई प्राइवेट लाइब्रेरी संचालित हैं, जहां केवल बैठकर पढ़ने के लिए ही छात्रों से 1500 से 2000 रुपये प्रति माह तक शुल्क लिया जाता है। ऐसे में नगर निगम की यह पहल छात्रों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है।

40-50 छात्र कर सकेंगे अध्ययन

योजना के अनुसार, लाइब्रेरी में एक समय में करीब 40 से 50 छात्र बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए शांत, व्यवस्थित और एकाग्रता बढ़ाने वाला वातावरण तैयार किया जाएगा। साथ ही लाइब्रेरी में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी योजना है, जिसमें बेहतर रोशनी, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल होंगी। नगर निगम का मानना है कि यह प्रोजेक्ट शहर में शिक्षा के स्तर को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम होगा। खासतौर पर उन युवाओं के लिए, जो सरकारी नौकरियों या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, यह लाइब्रेरी एक सस्ती और सुविधाजनक विकल्प बनकर उभरेगी। फिलहाल जाट महासभा की स्वीकृति का इंतजार किया जा रहा है।

लाइब्रेरी का प्रचलन बढ़ा

शहर में लाइब्रेरी में बैठकर पढ़ने का चलन पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। खासतौर पर 2010 के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों की संख्या बढ़ने के साथ स्टडी स्पेस" की मांग भी उभरकर सामने आई। पहले छात्र घर या पारंपरिक पुस्तकालयों में पढ़ाई करते थे, लेकिन बदलते माहौल, छोटे घरों और एकाग्रता की कमी के कारण युवाओं ने निजी लाइब्रेरी का रुख करना शुरू किया।

ये भी जानें

रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) की केंद्रीय लाइब्रेरी छात्रों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ वर्षों से ज्ञान का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। लाइब्रेरी में हजारों की संख्या में पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ सामग्री, शोध जर्नल और ई-रिसोर्स उपलब्ध हैं, जिससे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं और शोध कार्य में काफी मदद मिलती है।

खबर संक्षेप

दिव्यांग बच्चों ने की रंगमंच की सैर

रोहतक। अर्पण और श्रवण संस्थाओं के दिव्यांग बच्चों को आज गुरुग्राम में स्थित रंगमंच जगह की सैर की। अर्पण स्कूल ईंचार्ज नीलम कटारिया के नेतृत्व में यह टूर ले जाया गया। बच्चों ने टूर में खूब मनोरंजन किया। बच्चों ने डांस किया और हंसते हंसते खेलों में भाग लिया। बच्चों ने जंपिंग ,हॉर्स राइडिंग ,कैमल राईडिंग जंपिंग और कठपुतली का खेल, झूलों का भरपूर आंनद लिया। अर्पण संस्था से अंजू वर्मा, नरेश, मीना, मनजीत, मीनाक्षी, ज्योति , आशा, राधा, बबली व श्रवण से कविता, बबीता, राकेश, विरेंद्र शामिल रहे।

बंसीलाल की 20वीं पुण्यतिथि पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रोहतक। स्वर्गीय चौधरी बंसी लाल को शनिवार को उनकी 20वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में भाजपा नेता किरण चौधरी, श्रुति चौधरी समेत गणमान्य व्यक्तियों ने उनके योगदान को याद किया। सभा में महर्षि दयानंद विवि के प्रो. कुलताज भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बंसी लाल सच्चे अर्थों में विकास पुरुष, ईमानदार प्रशासक और जनसेवा को समर्पित महान नेता थे।

24 से 27 मार्च तक जयपुर में हुई थी प्रतियोगिता, लहराया परचम

राष्ट्रीय पैरा फेंसिंग चैंपियनशिप में संदीप मोर ने जीते दो रजत पदक

वर्ष 2018 से राजीव गांधी स्टेडियम में कर रहे हैं बॉक्सिंग की तैयारी, दुबई चैंपियनशिप में कर चुके हैं देश का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कुछ कहानियां सिर्फ जीत की नहीं होतीं, बल्कि संघर्ष, पसीने और हौसलों की होती हैं। ऐसी ही कहानी है हरियाणा के खिलाड़ी संदीप मोर की, जिन्होंने द्वितीय राष्ट्रीय पैरा फेंसिंग चैंपियनशिप में दो रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 24 से 27 मार्च तक जयपुर (राजस्थान) में आयोजित की गई।

इस प्रतियोगिता में संदीप ने फॉइल टीम और एपे टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किए। झज्जर जिले के गांव रेढुवास से संबंध रखने वाले संदीप मोर वर्तमान में रोहतक के शास्त्री नगर लाढौत रोड पर अपने परिवार के साथ निवास करते हैं। झज्जर जिले के छोटे से गांव रेढुवास में पले-बढ़े संदीप के जीवन की शुरुआत ही मेहनत से हुई। उनके पिता छत्तर सिंह (सेना से सेवानिवृत्त) अपने समय में बॉक्सिंग खिलाड़ी रहे हैं। बचपन में ही पिता ने गांव में संदीप को बॉक्सिंग की ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी थी। संदीप के मुक्कों में दम भी था। उन्होंने एक बार झज्जर जिले की ओर से ट्रायल देकर भिवानी में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका भी पाया, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया और पैर में चोट लगने के कारण वह खेल नहीं पाए। वर्ष 2018 में संदीप रोहतक आ गए और यहां राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपने सपनों को नई दिशा दी। फेंसिंग में कदम रखने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इससे पहले वह दौड़ के खिलाड़ी भी रह चुके हैं और वर्ष 2019 में दुबई में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। संदीप ईएसआई डिस्पेंसरी में कार्यरत हैं। दिन में नौकरी और शाम को कठिन अभ्यास के बीच संतुलन बनाकर संदीप ने यह उपलब्धि हासिल की, जो युवाओं के लिए प्रेरणा है।

इंटरनेट पर वीडियो देखकर सीखा फेंसिंग खेलना

संदीप के पास कोई व्यक्तिगत कोच नहीं है। उन्होंने खुद ही इंटरनेट पर वीडियो देखकर, उन्हें बार-बार समझकर और लगातार अभ्यास करके फेंसिंग सीखी है। सीमित संसाधनों के बावजूद खुद को इस स्तर तक पहुंचाना उनके जुनून और आत्मविश्वास की सबसे बड़ी मिसाल है। संदीप का लक्ष्य आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। इस कहानी को और खास बनाती है उनका परिवार। उनकी बहन पूजा मोर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की पैरा एथलीट हैं। एक ही परिवार से दो अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का निकलना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

संदीप मोर।

किलोई के सागर का वर्ल्ड स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय कैंप में चयन

रोहतक। किलोई के होनहार बास्केटबॉल खिलाड़ी सागर ने अपनी कड़ी मेहनत और शानदार खेल के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सागर का चयन वर्ल्ड स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप (अंडर-18) के लिए आयोजित होने वाले भारतीय प्रशिक्षण शिविर में हुआ है। कोच अमित हुड्डा ने सागर को बधाई दी।

उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के हरियाणा से केवल एक खिलाड़ी का चयन हुआ है। सागर के पिता प्रवीण कुमार ने गर्व के साथ बताया कि सागर का चयन भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षण कैंप के लिए किया गया है। वर्तमान में यह कैंप रांची, झारखंड में चल रहा है। इस कैंप में अपने कौशल को और निखारने के बाद, सागर भारतीय टीम के साथ सर्बिया में होने वाली वर्ल्ड स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 13 जून से 22 जून तक आयोजित की जाएगी। सागर एसडीएम स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ता है। सागर ने वर्ष 2025 में यूथ नेशनल प्रतियोगिता में कांस्य पदक पदक जीता और स्कूल स्टेट (हिसार) में स्वर्ण पदक जीता। वर्ष 2024 में सीबीएसई क्लस्टर और हरियाणा स्कूल स्टेट (पानीपत) में रजत पदक जीता। वर्ष 2022 में स्कूल स्टेट (फरीदाबाद) में कांस्य पदक जीता।

खबर संक्षेप

लेट सुगनी देवी क्रिकेट क्लब ने 60 रन से मैच जीता, राहुल बने मैन ऑफ द मैच

रोहतक। जिले के 22 याड्र्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए गोयल विंटर क्रिकेट कप 2026 के लीग मुकाबले में लेट सुगनी देवी क्रिकेट फाउंडेशन क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देसी बॉयज को 60 रन से पराजित किया। इस मुकाबले में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए राहुल सिंह को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। टॉस जीतकर लेट सुगनी देवी क्रिकेट फाउंडेशन क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 164 रन बनाए। टीम की ओर से रेमो फौगत ने 25 गेंदों पर 33 रन की पारी खेली, जबकि नवीन लठवाल ने 30 गेंदों पर 30 रन। देसी बॉयज की ओर से गेंदबाजी में सिद मलिक ने 4 ओवर में 34 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि अनुज हुड्डा ने 2 विकेट लिए। 165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी देसी बॉयज की टीम शुरुआत से ही दबाव में आ गई। राहुल सिंह की घातक गेंदबाजी के सामने टीम टिक नहीं सकी। पूरी टीम 16.2 ओवरों में 104 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से अंकित डाबला ने 24 रन और मोहित धनखड़ ने 19 रन बनाए। सुगनी टीम की ओर से गेंदबाजी में राहुल सिंह ने 4 ओवर में 36 रन देकर 4 विकेट झटके।

कोर्फबाल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिल्ली को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा हरियाणा

रोहतक। विश्वकर्मा स्किल विश्वविद्यालय पलवल में कोर्फबाल की 37वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 26 से 29 मार्च तक किया जा रहा है। शनिवार को खेले गए मैच में हरियाणा ने दिल्ली को हराका सेमीफाइनल में प्रवेश किया। प्रवीन कुमार सचिव हरियाणा कोर्फबाल एसोसिएशन ने जानकारी कहा कि खेल हमें जीवन में अनुशासन में रहना सिखाता है। इससे आपसी भाईचारे का विकास होता है। इस अवसर पर डॉ मनी कवंर सिंह डायरैक्टर स्पोर्टस, डॉ ललित शर्मा, उप- रजिस्ट्रार अशोक कुमार, प्रदीप कुन्डू, विनोद कुमार, तरनदीप सिंह, राजेश कुमार, मंजीत सिंह, रवि राज, मेजर राजप्रीत सिंह, प्रवीन मानोटकर आदि सदस्य मौजूद थे।

भारत में मधुमेह एक तेजी से बढ़ती हुई बीमारी : आचार्य हेमवती

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज में एमएससी नर्सिंग की प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा 28 मार्च 2026 को सेमिनार और स्क्रीनिंग टेस्ट के द्वारा बीएससी नर्सिंग की छात्राओं को जागरूक किया। नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य प्रो सुनीता कुमारी को प्रवेक्षण में बताया डायबिटीज क्या है? कितने प्रकार की होती है कैसी होती है और इसके क्या क्या लक्षण हैं। वहीं छात्रों ने बताया कि इसकी रोकथाम कैसे करेंगे और मधुमेह के रोगी अपनी देखभाल कैसे करें—इन सभी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर मौजूद फैकल्टी एवं छात्राओं की स्क्रीनिंग करके रेंडम ब्लड शुगर टेस्ट भी किया गया। प्रोग्राम का शुभ आरम्भ प्रोफेसर राजपति ने फैकेल्टी के साथ दीप प्रज्वलन करके किया। प्रोफेसर राजपति ने बताया कि नॉन कम्युनिकेबल डिसीज, क्रॉनिक इलनेस है और यह लंबे समय तक स्वास्थ्य को प्रभावित करने का कारण बनती है तथा ग्लोबल डैथ के लगभग 74% के लिए जिम्मेदार हैं। आचार्य हेमवती ने बताया कि भारत में लगभग 101 मिलियन से ज्यादा लोग मधुमेह के शिकार हैं और 136 मिलियन लोग प्री डायबिटीज की स्थिति में हैं। डायबिटीज हमारी ओरल हेल्थ को भी प्रभावित करती है, इसलिए मधुमेह रोगियों को हर 6 महीने में डेंटल चेक अप कराना चाहिए। इस अवसर पर समस्त नर्सिंग कॉलेज की फैकल्टी उपस्थिति रही।

शाइनिंग स्टार्स में पीटीएम एवं प्री-प्राइमरी ग्रेजुएशन समारोह में बच्चों ने दी प्रस्तुतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शाइनिंग स्टार्स विद्यालय में 28 मार्च को फाइनल टर्म पेरेंट-टीचर मीटिंग और प्री-प्राइमरी ग्रेजुएशन समारोह बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस खास अवसर पर बच्चों और अभिभावकों के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां और खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें रिडल्स हल करने से लेकर फैमिली गेम्स तक सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सेल्फी बोर्ड और फोटो कॉर्नर आकर्षण का केंद्र रहे, जहां सभी ने यादगार तस्वीरें खिंचवाईं। फाइनल टर्म पीटीएम के दौरान अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, उनके कौशल और सीखने के अनुभवों की विस्तृत जानकारी दी गई। अभिभावकों ने भी अपने सुझाव साझा किए, जिन पर विद्यालय प्रबंधन ने सकारात्मक चर्चा की। समारोह के अंत में नन्हे विद्यार्थियों को ट्रॉफी और ग्रेजुएशन डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस

दौरान अभिभावकों ने अपने बच्चों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन उनके प्रयासों और प्रतिभा का उत्सव है। कार्यक्रम का समापन खुशी, उत्साह और यादगार पलों के साथ हुआ।

डॉ. सर्वप्रिया दूसरी बार रामनाथ गोयनका अवॉर्ड से सम्मानित

रोहतक। रोहतक की बेटी और बीबीसी की वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सर्वप्रिया सांगवान को प्रतिष्ठित रामनाथ गोयनका स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन द्वारा प्रदान किया गया। पुरस्कार में ट्रॉफी के साथ एक लाख रुपये का चेक भी दिया गया। उनको यह अवॉर्ड दूसरी बार मिला है। सर्वप्रिया को यह सम्मान सीरीज द लास्ट मैन के लिए दिया गया, जो वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान देश के विभिन्न राज्यों—महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में अंतिम पंक्ति के आम नागरिकों की आवाज़ को सामने लाने पर केंद्रित थी।

पूर्व सैनिक और उनके परिवार हमारे लिए वंदनीय और सम्माननीय : कर्नल सुजेय तांबे

रोहतक। हिसार छावनी से कर्नल सुजेय तांबे और उनकी धर्मपत्नी रसिका रोहतक स्थित ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक में पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों से मुलाकात करने और उनका कुशल-क्षेम जानने पहुंचे। पॉलीक्लिनिक में पहुंचने पर पॉलीक्लिनिक प्रभारी कर्नल मुकेश हुड्डा, कैप्टन जगबीर मलिक , सूबेदार मेजर रामनिवास , सेना मेडल, सूबेदार चंद्रभान, सूबेदार धर्मपाल, सूबेदार मेजर कृष्णा धनखड़, सूबेदार पवन कुमार हवलदार नरेंद्र सिंह, सीपीओ अतर सिंह कादियान और राजेंद्र दलाल सहित कई पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों में उनका अभिनंदन किया। पॉलीक्लिनिक में पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के साथ एक पारिवारिक माहौल में बैठकर मिसेज रसिका तांबे और कर्नल सूजेय तांबे ने पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों का हाल-चाल जाना और उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी हर प्रकार की समस्या के बारे में हमें अवगत करवाएं। हम अपनी पूरी कोशिश से कुछ समस्या का निदान करने का प्रयास करेंगे और अगर हमसे समस्या का निदान नहीं हुआ तो उसकी जानकारी हम अपने उच्च अधिकारियों को देंगे। उनके सहज और मिलनसार स्वभाव से सभी पूर्व सैनिक और उनके परिवार काफी प्रभावित हुए और उन्होंने उनके सामने दो सुझाव रखे। प्रथम कैप्टन जगबीर मलिक ने कर्नल से पूछा कि हिसार की पूर्व सैनिक रैली में पूर्व सैनिकों ने भवन के लिए सुझाव दिया था उस पर क्या प्रगति हुई है। इसका उत्तर देते हुए कर्नल तांबे ने बताया कि इस पर पूरी कार्रवाई हो चुकी है और यह प्रस्ताव हरियाणा सरकार के पास अंतिम कार्यवाही के लिए भेजा जा चुका है।

जीडी गोयनका में हुई अभिभावक-शिक्षक बैठक, शैक्षणिक प्रगति पर हुई विस्तृत चर्चा

रोहतक। जीडी गोयनका सनसिटी में 28 मार्च को एक विशेष अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास पर चर्चा करना रहा। कार्यक्रम में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने बच्चों की प्रगति से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। बैठक के दौरान शिक्षकों ने प्रत्येक छात्र के प्रदर्शन, व्यवहार और सुधार की संभावनाओं पर विस्तार से फीडबैक दिया। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की खूबियों के साथ-साथ उन क्षेत्रों से भी अवगत कराया, जहां और बेहतर करने की आवश्यकता है। इस संवाद के माध्यम से अभिभावकों को अपने बच्चों की शिक्षा और विकास को लेकर स्पष्ट दिशा मिली। अभिभावकों ने भी अपने सुझाव साझा किए, जिन पर विद्यालय प्रबंधन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इस तरह का संवाद छात्रों के बेहतर भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के निदेशक बलराज सिंह ने अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि शिक्षक और अभिभावकों के बीच यह सहयोग बच्चों की सफलता की मजबूत नींव बनेगा।

बुकिंग के बाद सिलेंडर लेने नहीं आ रहे उपभोक्ता, एजेंसी मालिक परेशान

लाखनमाजरा। एक ओर जहां पूरे देश में गैस की किल्लत को लेकर लोग परेशान है और एजेंसी के बाहर लंबी लंबी लाइन लग रही है वहीं कस्बे में गैस एजेंसी के बाहर लोगों की भीड़ घटने लगी है। लाखनमाजरा में शहीद राजबीर सिंह गैस एजेंसी के बाहर लोगों की भीड़ नहीं है। बुकिंग के बाद भी लोग गैस सिलेंडर लेने के लिए नहीं आ रहे, जिससे अब एजेंसी मालिक परेशान होने लगे हैं। दरअसल, एजेंसी में आसपास के गांव के 12000 से ज्यादा उपभोक्ता हैं लेकिन एजेंसी में 1000 के करीब गैस सिलेंडर की बुकिंग हुई। लोग सिलेंडर लेने के लिए नहीं आ रहे। गैस एजेंसी में कुछ लोगों की ही भीड़ देखने को मिल रही है जबकि काफी लोगों के ओटीपी नहीं आ रहे हैं।गैस सिलेंडर लेने आए इंदरगढ़ गांव के युवकों ने कहा कि उन्होंने 25 मार्च को ऑनलाइन बुकिंग की थी, भीड़ कम थी इसलिए आसानी से सिलेंडर मिल गया था। एजेंसी में काफी सिलेंडर रखे हुए थे। गैस एजेंसी के कर्मचारी नवपाल राजपूत ने बताया कि नियमों के अनुसार बीपीएल परिवार को 45 दिन में सिलेंडर दिया जाएगा जिन उपभोक्ताओं की एक कॉपी पर दो सिलेंडर है उन्हें 35 दिन में और एक सिलेंडर वाले उपभोक्ताओं को 27 दिन में बुकिंग करानी होगी। उन्होंने कहा कि करीबन 1000 बुकिंग पेंडिंग है पर लोग सिलेंडर लेने के लिए नहीं आ रहे हैं।

डेयरी मोहल्ला में लड़की ने निभाई नई परंपरा शादी में खुद की घुड़चढ़ी निकालकर दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

समाज में बदलती सोच और परंपराओं को नई दिशा देने का एक अनोखा उदाहरण डेयरी मोहल्ला में देखने को मिला, जहां एक लड़की ने अपनी शादी के अवसर पर खुद घोड़ी चढ़कर घुड़चढ़ी निकाली। आमतौर पर यह रस्म दूल्हे द्वारा निभाई जाती है, लेकिन इस पहल ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

शादी समारोह के दौरान दुल्हन ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ घोड़ी पर सवार होकर बारात की तरह अपनी घुड़चढ़ी निकाली। इस दौरान परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और मोहल्ले के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। ढोल-नगाड़ों और संगीत के बीच निकली इस घुड़चढ़ी ने माहौल को खास बना दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहल समाज में बेटियों के प्रति बदलती सोच को दर्शाती है। जहां पहले कई परंपराएं केवल पुरुषों तक सीमित थीं, वहीं अब महिलाएं भी हर क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी भागीदारी निभा रही हैं। पिता अशोक चहल और मां सुनीता ने बताया कि उनका उद्देश्य किसी परंपरा का विरोध करना नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देना है कि बेटियां भी किसी से कम नहीं हैं और उन्हें हर अवसर पर बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए। इस अनोखी पहल की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है और लोग इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम मान रहे हैं।

महम में सीएम नायब सिंह सैनी की रैली 5 अप्रैल को

महम। 5 अप्रैल को सुबह 11 बजे महम अनाज मंडी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रैली को संबोधित करेंगे। यह जानकारी शुक्रवार सुबह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के आवास पर महम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री इस दिन अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। साथ ही वे इस दिन महम हलके के लिए कई बड़ी घोषणाएं भी करेंगे। बड़ौली ने महम काठमंडी में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को भी संबोधित किया।

दौरा स्थानीय सामग्रियों व जलवायु संवेदनशील डिजाइन के बीच संबंध का किया अध्ययन

सुपवा के छात्रों ने समझी स्वदेशी निर्माण तकनीक किला जफरगढ़ में लोकभाषा को किया डिकोड

- सितंबर माह में सुपवा में होगा हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म अवॉर्ड का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर विभाग के छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने किला जफरगढ़ का दौरा कर लोकभाषा को डिकोड किया। इस दौरान छात्रों ने किले को बनाने में प्रयोग स्वदेशी निर्माण तकनीकों को बारीकी से समझते हुए उनका विश्लेषण किया। प्रतिनिधिमंडल में बैचलर इन आर्किटेक्चर के द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर विभाग के एफसी अजय बाहू जोशी ने बताया कि पढ़ाई के दौरान छात्रों के शैक्षणिक भ्रमण का विशेष महत्व रहता है। इसलिए ही छात्रों को किला जफरगढ़ का भ्रमण कराया गया, ताकि वे जान सकें कि किस तरह की निर्माण सामग्री व वास्तुकला का इसमें प्रयोग किया गया। किला जफरगढ़ का भ्रमण छात्रों को फील्ड अध्ययन के तौर पर सदैव याद रहेगा। इस दौरान छात्रों ने पारंपरिक बस्तियों के पैटर्न को समझा व उसका डॉक्यूमेंटेशन तैयार किया। ऐतिहासिक किले की स्वदेशी निर्माण तकनीकों का विश्लेषण करने के साथ ही स्थानीय सामग्रियों व जलवायु-संवेदनशील डिजाइन के बीच संबंध का अध्ययन किया। आर्किटेक्ट प्रदीप कुमार ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

हाइफा के लिए सुपवा में सजेगा सिनेमा का भव्य मंच

रोहतक। हरियाणवी भाषा, संस्कृति और सिनेमा को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए हरियाणवी इनोवेटिव फ्रिल्म एसोसिएशन (हाइफ़ा) ने हरियाणा इंटरनेशनल फ्रिल्म अवार्ड (हाइफ़ा) के आयोजन की घोषणा की है। यह प्रतिष्ठित आयोजन पंडित लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (सुपवा), रोहतक के संयुक्त तत्वावधान में आगामी सितंबर माह में आयोजित किया जाएगा।समारोह के दौरान शॉर्ट फिल्म, गीत, कहानी और वीडियो रील प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया, वहीं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। हाइफ़ा के जनरल सेक्रेटरी रामपाल बल्हारा द्वारा पिछले माह इस अंतरराष्ट्रीय फिल्म अवार्ड की आधिकारिक घोषणा की गई थी। वहीं, संस्था की पीआर डॉ. तबस्सुम जहां के अनुसार इस बार का आयोजन पहले से अधिक भव्य और व्यापक स्तर पर किया जाएगा। आगामी हरियाणा इंटरनेशनल फ्रिल्म अवार्ड के लिए फिल्म प्रविष्टियां आमंत्रित की जा चुकी हैं, जिसमें देश-विदेश के फिल्मकार भाग ले सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी आयोजन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता: सत्येंद्र परमार

- दो दिवसीय पं. दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव खेड़ी साध में शनिवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत दो दिवसीय कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक ढांचे, विचारधारा और कार्यशैली के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति देखने को मिली, जिससे आयोजन को लेकर उत्साह स्पष्ट नजर आया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रभारी सत्येंद्र परमार रहे, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों पर चलते हुए जनसेवा के लिए समर्पित रहने का आह्वान किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आम जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं-उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाएं। इस अवसर पर सुनारियां मंडल के अध्यक्ष दिनेश धनखड़ और संदीप बुधवार ने मुख्य अतिथि को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर विशेष जलपान की भी व्यवस्था की गई थी। दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक संरचना, बूथ स्तर तक कार्य करने की रणनीति, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और जनसंपर्क के तरीके जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कार्यकर्ताओं को व्यावहारिक जानकारी भी दी जाएगी।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में महताब सिंह फौजी, सतीश खनगवाल, आजाद खनगवाल, राज सिंह कारोर, सुनील देशवाल बलियाना और विजय भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

एनएचएआई रोज बनाता है 34 किमी सड़क, रोहतक में 1400 मीटर बनाने के लिए निगम को चाहिए आठ माह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर के महत्वपूर्ण मार्गों में शामिल दिल्ली बाईपास फ्लाईओवर से आगे की करीब 1400 मीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य आखिरकार शुरू हो गया है, लेकिन इसकी समयसीमा को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। एनएचएआई रोजाना 34 किलोमीटर सड़क बनाता है, लेकिन नगर निगम को 1400 मीटर की सड़क बनाने के लिए 240 दिन का समय लग रहा है। जिसका अर्थ हुआ औसतन रोजाना 6 मीटर से भी कम निर्माण किया जाना है, जिसे लेकर स्थानीय लोगों में रोष देखने को मिल रहा है। इस सड़क का 1 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत से निर्माण जारी है। करीब आठ वर्षों से बदहाल पड़ी इस सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी थी कि वाहन चालकों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। जगह-जगह गड्ढे, टूटी परत और धूल-मिट्टी के कारण यह मार्ग दुर्घटनाओं का कारण भी बनता रहा। खासकर बरसात के मौसम में यहां जलभराव की समस्या और गंभीर हो जाती है, जिससे लोगों का निकलना तक मुश्किल हो जाता है। निर्माण कार्य की शुरुआत के साथ ही सड़क पर बेस तैयार करने और निर्माण सामग्री डालने का काम भी शुरू हो चुका है। लेकिन जिस गति से काम चल रहा है वह इस मार्ग पर चलने वाले लोगों और व्यापारियों के लिए फिलहाल मुश्किल का सबब बन गया है।

नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

दुकानों के आगे लगे रोड़ियों के ढेर, दुकानदार परेशान

लोगों का धंधा चौपट हो रहा है, दुकानों के बाहर पत्थर

इस 1400 मीटर के एरिया में पांच स्टार जैसा होटल, फर्नीचर की दुकानें, 20 से ज्यादा अन्य दुकानों का धंधा पूरी तरह से चौपट नजर आ रहा है। क्योंकि रोजाना यहां पर धूल उड़ती रहती है। दिल्ली की तरफ जाने वाली सड़क को वनवे किया हुआ है। जिसके चलते हादसे भी बढ़ रहे है। ऐसे में यात्री कैसे इतना मुश्किल सफर तय कर पाएंगे। दुकानों पर ग्राहक नहीं आ रहे है।

छोटे व्यापारियों का हो रहा नुकसान

पिछले एक महीने से हमारा धंधा पूरी तरह प्रभावित हो गया है। दुकान के बाहर हर समय पत्थर और धूल पड़ी रहती है, जिससे ग्राहक आना ही बंद कर चुके हैं। नगर निगम को काम करना है तो जल्दी करे, लेकिन इस तरह धीमी गति से काम करने से हम जैसे छोटे व्यापारियों का नुकसान हो रहा है। **-मुकेश, होटल संचालक**

सड़क की हालत पहले भी खराब थी, लेकिन अब निर्माण के चलते और ज्यादा परेशानी हो गई है। वन-वे व्यवस्था के कारण रोज हादसे हो रहे हैं। इतनी महत्वपूर्ण सड़क को बनाने में 240 दिन लगाना समझ से बाहर है, प्रशासन को काम में तेजी लानी चाहिए। **-रमन कुमार, राहगीर**

क्या कहते हैं अधिकारी

सड़क के निर्माण कार्य में आठ माह का समय जरूर है, लेकिन इस कार्य को बारिश के सीजन से पहले ही पूरा कर दिया जाएगा। पूरी तेज गति से कार्य को किया जा रहा है। बीच में बारिश आने के कारण काम प्रभावित हुआ था। लेकिन अब दोबारा से शुरू हो गया है। जल्द ही निर्माण प्रक्रिया पूरी होगी। कार्य जल्द पूरा होने के बाद समस्या का हल हो जाएगा। **-मंजीत दहिया, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम**

सोनीपत रोड पर अधूरा निर्माण बना मुसीबत, 100 मीटर सीसी सड़क बनाकर ठेकेदार गायब

रोहतक। शहर की व्यस्त सड़कों में शामिल सोनीपत रोड पर अधूरा निर्माण कार्य लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। यहां ठेकेदार द्वारा करीब 100 मीटर तक सीसी सड़क बनाकर काम अधूरा छोड़ दिया गया है, जिसके बाद से निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं किया गया। इस लापरवाही के चलते राहगीरों और दुकानदारों को रोजाना दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। करीब एक माह पहले इस सड़क के निर्माण कार्य की शुरुआत की गई थी, जिससे लोगों को उम्मीद थी कि लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिलेगी। शुरुआत में काम तेजी से चला और कुछ हिस्से में सीसी सड़क भी बना दी गई, लेकिन अचानक काम रुक गया। तब से लेकर अब तक निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है और इसके दोबारा शुरू होने को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

काम क्यों रुका, इसकी जानकारी नहीं

इस सड़क पर निर्माण कार्य चल रहा है। लेकिन काम क्यों रूका है इसके लिए पता किया जाएगा। ताकि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कार्य हो सके। किसी तकनिकी खामी के कारण अगर काम रूका है तो उसको भी जल्द दूर करवाने का काम किया जाएगा। *-मनीषा नांदल, पार्षद, वार्ड-10*

खबर संक्षेप

छोटूराम स्कूल के मिलन समारोह में दिया परिचय

रोहतक। जाट शिक्षण संस्था द्वारा संचालित छोटूराम मेमोरियल पब्लिक स्कूल में महिंद्रा मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों को समायोजित करने के लिए संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना की अध्यक्षता में छोटूराम स्कूल में अभिभावक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में संस्था के उप प्रधान धर्मराज, महासचिव एडवोकेट नवदीप सिंह, महिंद्रा मॉडल स्कूल की डायरेक्टर अनु सिंह, सीआरएम स्कूल की प्रिंसिपल डायरेक्टर सुमन लता श्योराण प्रमुख तौर पर उपस्थित रहे।

शिविर में बच्चों को ओरल हेल्थ की जानकारी दी

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के डेंटल कॉलेज के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग ने वर्ल्ड ओरल हेल्थ मंथ के अवसर पर जन सेवा संस्थान स्कूल में एक डेंटल स्क्रीनिंग और ट्रीटमेंट कैंप का आयोजन किया। कैंप का आयोजन डॉ. मंजुनाथ बीसी, डॉ. आदर्श कुमार, डॉ. विपुल यादव, डॉ. भावना सभरवाल, और डॉ. जागृति के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ मंजूनाथ ने बताया कि कैंप के दौरान कुल 59 छात्रों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें से 20 छात्रों को आवश्यक दंत चिकित्सा प्रदान की गई।

सूचना

मैं, महिपाल पुत्र श्री भगत सिंह निवासी गांव टिटौली तहसील व जिला रोहतक हरियाणा बयान करता हूं कि मेरे अविवाहित लड़के आर्यन उर्फ प्रशान्त व कृष उर्फ चिन्टू मेरे कहे सुने से बाहर है, इसलिए मैं इन्हें अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। मेरा व मेरे परिवार का इनसे कोई वास्ता नहीं है। भविष्य में ये दोनों अपने लेन देन व अन्य किसी भी प्रकार के कार्यों के लिए स्वयं जिम्मेवार होंगे। मेरी व मेरे बाकी परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मंडी में दिलचस्प नजारा : ज्यादा दाम मिलने के कारण सरकारी एजेंसियों से किसानों का किनारा

...ना बाबा ना, हम नहीं बेचते सरकार को सरसों, ऊंचे दाम पर व्यापारियों को देंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सरसों खरीद सीजन के पहले ही दिन शनिवार को रोहतक की अनाज मंडी में दिलचस्प नजारा देखने को मिला। जहां एक ओर सरकार समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए तैयार बैठी थी, वहीं किसानों ने साफ शब्दों में इशारा कर दिया कि ना बाबा ना, हम अपनी सरसों सरकार को नहीं बेचेंगे। किसानों ने सरकारी एजेंसियों की बजाय निजी व्यापारियों को फसल बेची। क्योंकि बाजार में उन्हें ज्यादा दाम मिल रहे हैं। मंडी में पहले दिन करीब 700 क्विंटल सरसों की आवक दर्ज की गई। किसानों की सुविधा के लिए मंडी गेट पर अंगूठे लगवाकर 44 से अधिक गेट पास जारी किए गए, लेकिन इसके बावजूद सरकारी खरीद एजेंसियों के माप-तोल यंत्रों को शुभारंभ तक नहीं हो पाया। मालूम हो कि इस बार सरसों का समर्थन मूल्य 6,200 प्रति क्विंटल तय किया गया है। गत वर्ष भाव 5,950 प्रति क्विंटल था। यानी के 250 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। जिंस खरीद को लेकर महम में एसडीएम ने अधिकारियों की मीटिंग ली। इधर सांपला मंडी में सरसों खरीद फरोख्त नहीं हुई। वजह ये रही कि खरीद एजेंसियों के पास बारदाना समेत दूसरी व्यवस्था नहीं थी। 49 क्विंटल सरसों के लिए कलानौर मंडी से दो गेट पास जारी किए। खरीद एजेंसी हैफेड ने सरसों में निर्धारित मात्रा से ज्यादा नमी बताकर उसकी खरीद नहीं की।

रोहतक में डीसी ने और महम में एसडीएम ने खरीद को लेकर मीटिंग

सांपला में खरीद एजेंसी के पास नहीं था बारदाना, दूसरी व्यवस्थाओं पर भी सवालिया निशान

देर शाम विडियो कांफ्रेंसिंग से सीएम ने भी जाना मंडियों का अपडेट

रोहतक में 44, कलानौर में 2 बॉयोमीट्रिक गेट पास इश्यू हुए

क्यों बेचें सरकार को फसल

किसानों का साफ कहना था कि जब बाजार में समर्थन मूल्य से अधिक कीमत मिल रही है, तो वे घाटे का सौदा क्यों करें। शनिवार को मंडी में सरसों का भाव 6400 से 6500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया, जो समर्थन मूल्य से ज्यादा है। यही वजह रही कि किसानों ने बिना झिझक व्यापारियों को अपनी उपज बेच दी। किसान अजीत सिंह ने बताया कि सरकार बाद में भुगतान करती है और प्रक्रिया भी लंबी होती है, जबकि व्यापारी मौके पर ही अच्छा भाव और तुरंत भुगतान दे रहे हैं। इस व्यावहारिक सोच ने मंडी का रुख पूरी तरह बदल दिया। बाजार के जानकारों का मानना है कि इस समय सरसों तेल के दाम करीब 200 रुपये प्रति लीटर के आसपास बने हुए हैं। ऐसे में व्यापारियों को सरसों खरीदने में अच्छा मुनाफा दिख रहा है। यही कारण है कि वे समर्थन मूल्य से ऊपर जाकर भी खरीद करने से नहीं हिचक रहे।

डीसी ने ली बैठक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने गेहूं व अन्य फसलों की खरीद को पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी विभागों व एजेंसियों को निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने को कहा। लघु सचिवालय में आयोजित मीटिंग में डीसी ने बताया कि गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से 15 मई तक निर्धारित मंडियों में एमएसपी पर की जाएगी और किसानों को पूरा भुगतान सुनिश्चित होगा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड, एफसीआई व वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा समय से पहले स्टाफ तैनाती की जाएगी।

350 क्विंटल सरसों व्यापारियों को बेची

- मार्केट कमेटी के आंकड़ों के अनुसार, शाम छह बजे तक रोहतक की मंडी में लगभग 350 क्विंटल सरसों किसानों द्वारा व्यापारियों को बेची जा चुकी थी, जबकि 200 से 250 क्विंटल सरसों की बिक्री बाकी थी।
- सरकारी एजेंसियों की खरीद नगण्य रही, जो इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संकेत है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यही ट्रेंड जारी रहा तो सरकारी खरीद व्यवस्था पर सवाल खड़े हो सकते हैं।
- मंडी का माहौल यही कह रहा है कि किसान अब भाव देखकर फैसला कर रहे हैं, न कि केवल सरकारी व्यवस्था पर निर्भर हैं। पहले ही दिन का यह रुख साफ संकेत देता है कि इस बार सरसों बाजार में निजी व्यापारी ही ज्यादा खरीदारी करेंगे।

एसडीएम ने खरीद व्यवस्था को लेकर आढ़तियों के साथ की बैठक, दिए निर्देश

महम। उपमंडल अधिकारी (नागरिक) विपिन कुमार ने आज मार्केट कमेटी कार्यालय में आढ़तियों के साथ बैठक कर गेहूं एवं अन्य रबी फसलों की खरीद को सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में एसडीएम ने बताया कि मंडी में फसल की खरीद हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा की जाएगी। उन्होंने एजेंसियों को निर्देश दिए कि वे समय से पहले पर्याप्त स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करें, ताकि किसानों की फसल की निर्बाध खरीद हो सके और किसी प्रकार की परेशानी न आए। एसडीएम विपिन कुमार ने निर्देश दिए कि मंडी में पर्याप्त मात्रा में बारदाना, तिरपाल, पॉलीथीन कवर एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध होनी चाहिए तथा फसल को सुरक्षित रखने के लिए जमीन पर क्रेट्स/प्लास्टिक शीट आदि बिछाने की समुचित व्यवस्था भी की जाए, ताकि किसी भी स्थिति में खरीद कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने मंडियों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था तथा बैठने की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। विपिन कुमार ने किसानों की सुविधा के लिए टोकन सिस्टम को सुचारू रूप से लागू करने के निर्देश दिए, जिससे फसल की आवक और खरीद प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संचालित हो सके।

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में बच्चों ने प्रस्तुत किए कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जेपी कॉलोनी स्थित संरक्षित शिक्षा भारती विद्यालय में 28 मार्च को वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान और हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य अतिथि पूर्णिमा बंसल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सतीश गोयल सहित प्रबंधन समिति के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की खास आकर्षण चार युगों सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं। विद्यार्थियों ने अपने अभिनय के माध्यम से सत्य, धर्म, भक्ति और आधुनिक समाज में एकता का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। "मिले सुर मेरा तुम्हारा" प्रस्तुति ने दर्शकों को विशेष रूप से भावुक कर दिया, वहीं "द्रौपदी चीर हरण" मंचन को खूब सराहना मिली। समारोह में शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

पठानिया पब्लिक स्कूल में प्रतिभा को मिला सम्मान

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में शनिवार सत्र 2025-26 के वार्षिक परीक्षा परिणाम व पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष प्रार्थना सभा, स्वागत गीत, समूह गायन व नृत्य प्रस्तुतियों के साथ हुई। मंच संचालन मन्नत लाठर, इशिता, हिमांशी व हिमाक्षी ने प्रभावी ढंग से किया। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. रमेश चन्द्र, गेस्ट ऑफ ऑनर नवीन गुप्ता व विशिष्ट अतिथि डॉ. के.एल. मलिक ने मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। विद्यालय निदेशक अंशुल पठानिया ने 522 विद्यार्थियों को करीब 8 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान कर उनकी मेहनत को सराहा। 95 प्रतिशत से अधिक और 90 प्रतिशत तक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी, मेडल व नकद राशि देकर पुरस्कृत किया गया। परिणामों में कक्षा एक से तुवीक्षत्र (99.9%), कक्षा दो से अरनव राठी (100%) और कक्षा छह से अनाया पुनिया (99.8%) सहित कई छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निदेशक अंशुल पठानिया, को-फाउंडर वर्षा पठानिया व प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को मेहनत और समर्पण का प्रतीक बताया। समारोह में सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

न्यूज डायरी

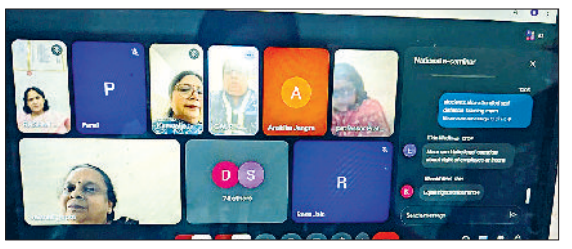

वैश्य कॉलेज में जेंडर सेंसिटाइजेशन पर ई-सेमिनार

रोहतक। वैश्य महिला महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा "जेंडर सेंसिटाइजेशन और रोल ऑफ सोसाइटी" विषय पर एक दिवसीय मल्टीडिसिप्लेनरी ई-सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामाजिक जिम्मेदारी को समझाना रहा। सेमिनार में मुख्य वक्ता एडवोकेट गौरी नारायणराव छब्बरिया (सदस्य, महाराष्ट्र महिला आयोग) और प्रोफेसर प्रतिमा (विधि विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने अपने विचार साझा किए। एडवोकेट गौरी ने समाज में व्याप्त रूढ़ियों और भेदभाव को खत्म करने के लिए जागरूकता और संवेदनशीलता को जरूरी बताया।

महावीर जन्म महोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रोहतक। जैन सभा के तत्वाधान में देवाधिदेव 1008 भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के दूसरे दिन धार्मिक उत्साह चरम पर रहा। जैनजीति में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने नमोकार बीजाक्षर महामंडल विधान, सुमतिनाथ भगवान के जन्म, केवल ज्ञान व मोक्ष कल्याणक को गाजे-बाजे के साथ श्रद्धा पूर्वक मनाया। इस अवसर पर विधानाचार्यों द्वारा 5-5 किलो के तीन लड्डू भगवान के चरणों में अर्पित किए गए। कार्यक्रम में श्री 108 मुनि निश्चिंत सागर महाराज और आर्यिका रत्न 105 सरस्वती भूषण माता के सानिध्य में अभिषेक और महाशांति धारा संपन्न हुई।

विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

रोहतक। शहर में नशा मुक्ति अभियान के तहत जिला पुलिस द्वारा आईटीआई संस्थान में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया के दिशा-निर्देशों पर आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों और यातायात नियमों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान उप निरीक्षक अमर कटारिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है, जिससे युवाओं को हर हाल में दूर रहना चाहिए।

कोटा, चंडीगढ़, दिल्ली के बाद अब रोहतक में भी
IIT-JEE/NEET/NDA
6th to 12th class & 12th pass
की स्पेशल कोचिंग
MEGA SEMINAR & SCHOLARSHIP TEST
31 March (Tuesday)
10:00 am & 3:00 pm
SPECIAL BATCH FOR NEET 2026 CRASH COURSE
1 Week Free Trial Class Before ADMISSION
100% Scholarship / Free Schooling
KOTA CLASSES
144-L Model Town, Near C.R. Polytechnic College, Rohtak
Contact 97285-44433, 98964-51410

इंजीनियरों को दिया तकनीकी प्रशिक्षण

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 : रोहतक को टॉप स्वच्छ शहर बनाने की तैयारी तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में शहर को देश के अग्रणी और स्वच्छ शहरों की सूची में स्थापित करने के संकल्प के साथ नगर निगम ने एक व्यापक कार्य योजना तैयार की है। इसी रणनीति के अंतर्गत, आयुक्त के विशेष दिशा-निर्देशों पर नगर निगम के तकनीकी शाखा के इंजीनियरों और फील्ड अधिकारियों के लिए एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन के मापदंडों को धरातल पर उतारना और शहर के बुनियादी ढांचे को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करना है। केवल सफाई व्यवस्था में सुधार ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कचरा प्रबंधन और जल निकायों के संरक्षण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य है। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण सत्र के दौरान इंजीनियरों को शहर के सालिड वेस्ट मैनेजमेंट, विशेषकर एम.आर.एफ के प्रभावी संचालन और 100 प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने की तकनीकी बारीकियां सिखाई। उन्होंने जल सोतों की महत्त्व पर जोर देते हुए स्वच्छ जल-स्वस्थ जीवन अभियान के तहत तालाबों के सौन्दर्यकरण जोर देते हुए, वहां पर गंदगी फैलाने वालों और कूड़े में आग लगाकर पर्यावरण को दूषित करने वालों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। उन्होने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा उपचारित पानी के पुनः उपयोग को लेकर भी आवश्यक तकनीकी दिशा-निर्देश जारी किए गए। डिजिटल निगरानी तंत्र को मजबूत करने पर बल देते हुए कहा कि कचरा संग्रहण वाहनों की जी.आई.एस मैपिंग और रियल-टाइम डेटा ट्रैकिंग से व्यवस्था में पारदर्शिता आई है।

रोहतक। तकनीकी शाखा के इंजीनियरों और फील्ड अधिकारियों की बैठक लेते नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा। *फोटो : हरिभूमि*

केवीएम नर्सिंग कॉलेज की छात्रा टिशा ने फिर रचा इतिहास

रोहतक। केवीएम नर्सिंग कॉलेज की अंतिम वर्ष की छात्रा टिशा ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह लगातार दूसरी बार है जब टिशा ने यह उपलब्धि प्राप्त कर कॉलेज और अपने परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में केवीएम नर्सिंग कॉलेज पहले से ही एक प्रतिष्ठित संस्थान माना जाता है और यहां के विद्यार्थी शैक्षणिक व क्लिनिकल दोनों क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। 27 जनवरी को घोषित बीएससी नर्सिंग छठे सेमेस्टर के परिणाम में टिशा ने 500 में से 437 अंक प्राप्त किए। इस शानदार उपलब्धि ने एक बार फिर कॉलेज की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों की मेहनत को साबित किया है। टिशा ने अपनी सफलता का श्रेय कॉलेज के सभी शिक्षकों को देते हुए कहा कि उन्हें हमेशा बेहतर मार्गदर्शन और सहयोग मिला। इस अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर कर्मवीर मायाना और प्रिंसिपल ज्योति शर्मा ने टिशा को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। समारोह में उपस्थित स्टाफ सदस्यों ने भी उसकी उपलब्धि पर गर्व जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक अलग-अलग क्षेत्रों में बिजली कट

23 कॉलोनियों और 18 फीडरों पर आपूर्ति रहेगी बाधित

संडे की छुट्टी, नो पावर, नो वाटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए रविवार को बड़े स्तर पर मरम्मत कार्य किया जाएगा, जिसके चलते शहर की 23 कॉलोनियों और 18 फीडरों पर निर्धारित समय के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित रहेगीa। बिजली निगम की ओर से जारी सूचना के अनुसार यह कार्य सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक अलग-अलग चरणों में किया जाएगा, जिससे आमजन को कुछ समय के लिए परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

निगम अधिकारियों के मुताबिक, यह मरम्मत कार्य आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए किया जा रहा है, ताकि बिजली आपूर्ति को सुचारू और निर्बाध बनाया जा सके। हालांकि इस दौरान शहर के कई प्रमुख इलाकों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली कटौती की जाएगी। खास बात यह है कि पानी सप्लाई के समय भी बिजली बाधित रहने से लोगों को दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

सुबह 9 से 12 बजे तक

ऑफिसर कॉलोनी, पावर हाउस, जाट संस्था, ओमेक्स सिटी, देव कॉलोनी, विनय नगर और दिल्ली बाईपास क्षेत्र भी प्रभावित रहेंगे। इसके अलावा सुबह 9 से 12 बजे तक सेक्टर-5, किंग कॉलेज, आईटीआई कॉलेज, सेक्टर-4 एक्सटेंशन, आशियाना फ्लैट्स, बसंत विहार, रामगोपाल कॉलोनी, सोनीपत रोड, विक्लूप स्कूल, जसबीर कॉलोनी और कबीर कॉलोनी में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।

सुबह 8 से 11 बजे तक

सुबह 8 से 11 बजे तक औद्योगिक क्षेत्रों के कई फीडरों जैसे गांधरा रोड इंडस्ट्री, दिल्ली रोड इंडस्ट्री, अवन्तु काएनोस हॉस्पिटल, मन्नत इंडिपेंडेंट, खरवाड़ जगमग, यूपीएस इंडिपेंडेंट, अटैल और इंडस्ट्री नंबर-2 फीडर पर भी मरम्मत कार्य किया जाएगा।

सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक

अंबेडकर नगर, नंद कॉलोनी, करतारपुरा, संजय कॉलोनी और इंदिरा कॉलोनी में बिजली बंद रहेगी। वहीं, सुबह 8 से 11 बजे तक 11 केवी आईडीसी, पीदास, पंचरत्न, जैन आईपी, सिंगला स्क्रू, शास्त्री नगर, श्याम कॉलोनी, एके ऑटोमैटिक्स, सैनिक कॉलोनी और हिसार रोड फीडर पर कार्य किया जाएगा।

महम में आज कई फीडरों पर बिजली बाधित रहेगी

महम। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के महम स्थित 33 केवी सब स्टेशन के अंतर्गत आने वाले सभी गांव की बिजली रविवार को बाधित रहेगी। विभाग के एसडीओ संजीत मुदगिल ने बताया कि पावर हाउस महम में लगे 6.3 एमवीए ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जा रही है। इस कारण रविवार सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली बाधित रहेगी। पावर हाउस के अंतर्गत महम वन, महम, अशोक नगर, टेलीफोन एक्सचेंज, किशन गढ, सिविल हॉस्पिटल, सीसर एपी, पब्लिक हेल्थ, बांके बिहारी ऑयल मिल , बहलबा आरडीएस व सीसर जगमग की सप्लाई बाधित रहेगी। सभी उपभोक्ताओं से अपील है कि इस दौरान धैर्य बनाए रखें।

मेरा शहर मेरी समस्या लाढ़ौत रोड (हरिभूमि पहल)

लाढ़ौत रोड पर मलबा डालकर भूला पीडब्ल्यूडी

ठेका रद्द होने के बावजूद भी नहीं उठाई जा रही निर्माण सामग्री

उड़ती धूल से राहगीरों और बच्चों को भारी परेशानी, करीब 92 लाख की लागत से हुआ था पहले टायल बिछाने का टेंडर, लोगों ने विरोध किया तो करना पड़ रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक के लाढ़ौत रोड पर अधूरा निर्माण कार्य और फैला मलबा स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। सड़क पर लंबे समय से पड़े निर्माण सामग्री और धूल के गुबार से राहगीरों, दुकानदारों और आसपास रहने वाले बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि इस सड़क पर टायल बिछाने के लिए करीब 92 लाख रुपये का टेंडर जारी किया गया था, लेकिन लोगों के विरोध के चलते इसे रद्द करना पड़ा। इसके बावजूद पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क के कुछ एरिया से अब तक मलबा नहीं हटाया गया है।

मलबा दुर्घटनाओं को दे रहा न्योता, दो पहिया वाहन चालक हो रहे चोटिल

सड़क पर फैला मलबा दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। उन्होंने कहा कि रोजाना दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं और कई बार छोटे-छोटे हादसे हो चुके हैं। धूल के कारण सांस लेने में भी दिक्कत होती है, जिससे बुजुर्गों और बच्चों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया जनवरी में काम शुरू किया गया था। लोगों ने विरोध किया तो काम बंद कर दिया गया, लेकिन कई जगह मिट्टी और टायल अभी भी पड़ी हुई हैं। -नरेंद्र

ठोस कार्रवाई नहीं हुई

धूल के कारण बच्चों को परेशानी हो रही है। यहां कई स्कूल हैं, जिनमें हजारों बच्चे पढ़ते हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। -गौरव

हादसे की आशंका

मलबे के कारण सुबह और शाम के समय स्थिति और भी खराब हो जाती है जब ट्रैफिक ज्यादा होता है। उस समय उड़ती धूल के कारण सड़क पर कुछ भी साफ दिखाई नहीं देता, जिससे हादसों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द समाधान की मांग की है। बरसात के मौसम में और ज्यादा दिक्कत हो जाती है। -सुनील

हालात और भी बदतर हुए

जब टेंडर जारी हुआ था, तब लोगों को उम्मीद थी कि सड़क की हालत सुधरेगी, लेकिन अब हालात और भी बदतर हो गए हैं। टेंडर रद्द होने के बाद विभाग को तुरंत मलबा हटाना चाहिए था, लेकिन लापरवाही के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। -कुलबीर मेहरा

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

डिफाल्टरों पर चलेगा बिजली निगम का डंडा

तीन नोटिस के बाद भी नहीं भरे बिल 1500 उपभोक्ताओं का कटेगा कनेक्शन

रोहतक। बिजली बिल बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं पर अब सख्ती का डंडा चलने वाला है। बिजली निगम ने साफ चेतावनी दी है कि बार-बार नोटिस देने के बावजूद भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन अब हर हाल में काटे जाएंगे। निगम की इस कार्रवाई के दायरे में 1500 ऐसे उपभोक्ता आ गए हैं, जिन्हें तीन-तीन बार नोटिस जारी किया जा चुका है, लेकिन उन्होंने अब तक बिल जमा नहीं कराया।

20,500 उपभोक्ताओं को दो बार भेजा जा चुका है नोटिस

निगम के आंकड़ों के मुताबिक जिले में 36 हजार 520 डिफॉल्टर उपभोक्ताओं की पहचान की गई थी। इन सभी डिफाल्टरों पर 67 करोड़ 49 लाख रुपये बिल बकाया है। 20 हजार 500 उपभोक्ताओं को दो-दो बार नोटिस भेजा गया, जबकि 1500 उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने तीन बार चेतावनी मिलने के बाद भी भुगतान नहीं किया। अब इनहें 31 मार्च तक की डेडलाइन दी गई है। एसई बिजेंद्र नरवाल ने बताया कि अगर तय समय सीमा के भीतर बकाया राशि जमा नहीं करवाई गई, तो 1 अप्रैल से इन उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। इस बार निगम किसी भी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

सख्त कदम जरूरी

निगम के अनुसार लंबे समय से बिल नहीं भरने की वजह से विभाग को आर्थिक नुकसान हो रहा है। कई उपभोक्ताओं पर लाखों रुपये तक का बकाया है। बार-बार अपील और नोटिस देने के बावजूद जब भुगतान नहीं हा, तो अब सख्त कदम उठाना जरूरी हो गया है।

विशेष टीमें भी गठित

अभियान को तेज करने के लिए बिजली निगम ने विशेष टीमें भी गठित की हैं। ये टीमें फील्ड में जाकर बकायेदारों पर नजर रख रही हैं और बड़े डिफॉल्टरों की सूची तैयार कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान का मकसद सिर्फ वसूली करना ही नहीं, बल्कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना भी है। निगम ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आखिरी तारीख का इंतजार न करें और समय रहते बकाया जमा करा दें। ऐसा करने से कनेक्शन कटने, अतिरिक्त शुल्क और अन्य कार्रवाई से बचा जा सकता है।

एसई बिजेंद्र नरवाल

एचबीएसई परीक्षा : 968 विद्यार्थियों ने दिया पेपर, 13 नकलची पकड़े

रोहतक। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा शनिवार को 12वीं कक्षा की परीक्षा संगीत व व्यवसाय अध्ययन विषय की परीक्षा आयोजित की गई। दोनों विषयों में 983 विद्यार्थियों में से 968 विद्यार्थी उपस्थित रहे। व्यवसाय अध्ययन विषय की परीक्षा कुल 575 विद्यार्थियों में से 571 विद्यार्थी उपस्थित रहे । वहीं, संगीत विषय की परीक्षा में कुल 408 विद्यार्थियों में से 397 विद्यार्थी उपस्थित रहे और 11 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने बताया कि पेपर आसान आया हुआ था। उन्होंने बताया कि पेपर समय से ही हो गया था। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि अध्यक्ष विशेष आरएएफ उड़नदस्ते ने परीक्षा केंद्र आर्दश गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिंहपुरा सुंदरपुर (रोहतक) पर संगीत विषय के 11 परीक्षार्थियों और व्यवसाय अध्ययन विषय 2 परीक्षार्थियों के पास अनुचित साधन प्रयोग की सामग्री पाए जाने पर कुल 13 नकल के केस दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि उड़नदस्ता के रोहतक के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण के दौरान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिंहपुरा खुर्द पर नियुक्त पर्यवेक्षक शीला छिल्लर प्रवक्ता अंग्रेजी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाकस्मा को परीक्षा ड्यूटी पर अनुपस्थित पाए जाने पर कार्यभार मुक्त किया गया।

सुनो नहरों की पुकार मिशन और सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ने किया जागरूक

रोहतक। नहरों के जल की शुद्धता व स्वच्छता के लिए विशेष अभियान के तहत नवरात्रों के तीन दिनों 25, 26 व 27 मार्च को 40 घंटे से ज्यादा समय तक सुनो नहरों की पुकार मिशन और सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में लोगों को जागरूक किया। शहर के साथ लगती दोनों नहरों के पुलों पर श्रद्धालुओं द्वारा सौंपा गया। लगभग पांच ट्राली धार्मिक सामान व निर्मालय सामग्री का उचित विधि विधान और मंत्र उच्चारण के साथ भूमि विसर्जन किया गया। मिशन के संस्थापक मुख्य संरक्षक डॉ. जसमेर सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह नवरात्रों के दौरान की पूजन सामग्री , धार्मिक मूर्तियां, तस्वीर व बड़ी मात्रा में प्लास्टिक को जीवनदायनी नहरों के पानी में जाने से बचाया गया। यह विशेष अभियान रोहतक के सात पुलों पर नहर विभाग जेएलएन फीडर डिवीजन के सहयोग से चलाया गया।

बॉक्सर बेटी मानसी का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बॉक्सर मानसी व उनके कोच चीनू का शनिवार को सुनारिया में जोरदार स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने विजेता खिलाड़ी को बधाई दी और आशीर्वाद दिया। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रोफेशनल बॉक्सिंग में विराट स्पोर्ट्स प्रमोशन फाइट नाइट में मानसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टाइटल अपने नाम किया था। यह प्रतियोगिता 22 मार्च को टोहाना में आयोजित की गई।

मानसी प्रोफेशनल बॉक्सिंग में देश की नंबर एक की बॉक्सर है। हाल ही में 15 फरवरी को अपनी दूसरी प्रोफेशनल फाइट जीतकर मानसी देश की नंबर-1 बॉक्सर बनी थी। वर्तमान में मानसी एमेच्योर बॉक्सिंग और प्रोफेशनल बॉक्सिंग दोनों खेल रही है। मानसी के पिता धर्मेंद्र एक किसान हैं। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली मानसी के परिवार में पहले कभी कोई खेल में नहीं रहा। बॉक्सिंग का जुनून उन्हें स्कूल के टीचर से मिला, जिन्हें देखकर उन्होंने रिंग में उतरने का फैसला किया। आर्थिक तंगियों के बावजूदमानसी ने सितंबर 2025 में प्रोफेशनल बॉक्सिंग की दुनिया में कदम रखा।

ये हैं उपलब्धियां

वर्ष 2023 में जूनियर बॉक्सिंग प्रतियेगिता में कांस्य पदक जीता। 2024 में स्कूली स्टेट प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। 2025 में स्कूली स्टेट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2025 में स्कूली वेशवल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। 2025 में यूथ गेम्स में रजत पदक जीता।

5 महीनों में दो बड़ी जीत

केवल 5 महीनों के भीतर उन्होंने दो बड़ी फाइट लड़ी और दोनों में जीत हासिल की। उनकी इसी मेहनत का नतीजा है कि आज वे राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। मानसी ने कहा कि मेरी सफलता का पूरा श्रेय मेरे परिवार के अटूट विश्वास और मेरे कोच चीनू के मार्गदर्शन को जाता है। गाँव की अकादमी में अभ्यास करते हुए मैंने जो सीखा, उसी ने मुझे इस मुकाम तक पहुँचाया है। पिता ने कभी मानसी के हौसले को टूटने नहीं दिया और हमेशा तू खेल सकती है कहकर उसका साहस बढ़ाया।

एसआरएस स्कूल में यातायात प्रभारी ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

वाहन चलाते समय फोन का इस्तेमाल न करें और गति पर रखें नियंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दिल्ली रोड स्थित एसआरएस स्कूल में शनिवार को पुलिस विभाग की ओर से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों और साइबर अपराध से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में यातायात प्रभारी जसबीर और साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक बाबूलाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

यातायात प्रभारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। उन्होंने छात्रों को बताया कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें तथा मोबाइल फोन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। तेज गति दुर्घटनाओं का मुख्य कारण है, इसलिए वाहन को हमेशा निर्धारित गति सीमा में ही चलाना चाहिए। साथ ही लेन अनुशासन, इंडिकेटर का प्रयोग और ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने की भी हिदायत दी गई। छात्रों को यह भी बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा उसकी जान बचा सकती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

नगर निगम के डेढ करोड़ से अधिक खर्च हुए, जहां गंदा पानी आ रहा, वहां कैसे बनेंगी दुकानें

फेलियर प्रोजेक्ट साबित हुआ अप्पू घर फूड कोर्ट अब अधिकारी बोले-दोबारा योजना बनाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के प्रमुख और महंगे इलाकों में गिने जाने वाले अप्पू घर क्षेत्र में बनाया जा रहा फूड कोर्ट प्रोजेक्ट अब तक अपनी मंजिल से काफी दूर है। नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद यह परियोजना अधूरी पड़ी है और अब अधिकारी इसे "फेलियर प्रोजेक्ट" मानते हुए नई योजना बनाने की बात कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह योजना सिरे नहीं चढ़ सकी। अब दोबारा मंथन किया जाएगा कि यहां क्या बनाया जाए। इसके लिए सरकार को प्लान भेजा जाएगा।

परियोजना की शुरुआत वर्ष 2016-17 में दिल्ली रोड स्थित छोटूराम चौक के सामने की गई थी। प्रारंभिक योजना के तहत यहां एक आधुनिक फूड प्लाजा विकसित किया जाना था, जिसमें शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, वाहन पार्किंग और तालाब के चारों ओर लगभग 30 फूड कोर्ट बनाए जाने थे। इस पूरे प्रोजेक्ट के लिए करीब 6.85 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया था। सूत्र बताते हैं कि शुरुआत से ही यह प्रोजेक्ट विभिन्न कारणों से देरी का शिकार रहा। सबसे बड़ा कारण इसकी डिजाइन में बार-बार बदलाव होना बताया जा रहा है। डिजाइन फाइनल न होने के चलते निर्माण कार्य समय पर शुरू नहीं हो पाया और जब काम शुरू हुआ, तब भी गति बेहद धीमी रही। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, अब तक इस प्रोजेक्ट पर डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है। स्थिति यह है कि जहां दुकानों का निर्माण होना था, वहां गंदा पानी भरा हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि इन परिस्थितियों में दुकानों का निर्माण कैसे संभव होगा। अप्पू घर में पुराने शहर का बरसाती पानी आकर ठहरता है। यहां पर लगाए गए डिस्पोजल के जरिए इस पानी को पंप कर आगे ड्रेन में भेजा जाता है। शहर के बीचों-बीच इसी गंदगी बरसाती पानी से छुटकारा दिलाने के लिए ही इस आकर्षक फूड कोर्ट का प्रोजेक्ट तैयार करवाया गया है। उस समय दावा किया गया था कि एक साल में ही निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

अस्थाई पार्किंग स्थल बना

दुकानदारों और लोगों का कहना है कि यह स्थान अब फूड कोर्ट के बजाय अस्थायी पार्किंग स्थल बनकर रह गया है। यहां आने वाले लोग वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे परियोजना की मूल भावना ही खत्म होती नजर आ रही है। लोगों का यह भी कहना है कि अगर समय रहते इस प्रोजेक्ट को सही दिशा में आगे बढ़ाया जाता, तो यह शहर के लिए एक बड़ा आकर्षण बन सकता था।

धन की बर्बादी

शहरवासियों में इस परियोजना को लेकर निराशा है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि परियोजना पूरी नहीं होती, तो यह न केवल सरकारी धन की बर्बादी है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का भी उदाहरण है।

दोबारा तैयार होगी योजना

अब नगर निगम के अधिकारी इस प्रोजेक्ट को दोबारा से प्लान करने की बात कर रहे हैं। उनका कहना है कि मौजूदा खामियों को ध्यान में रखते हुए नई योजना तैयार की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याएं न आएं। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि नई योजना कब तक तैयार होगी और पुराने ढांचे का क्या होगा।

ठेकेदार ने काम छोड़ा

जब से यह प्रोजेक्ट शुरू हुआ तभी से इसे लेकर सवाल उठते रहे। ठेकेदार ने एक बार काम तो शुरू कर दिया लेकिन वह कुछ दुकानें बनाने के बाद काम छोड़कर चला गया। उसके सामने भी निर्माण के दौरान कई दिक्कतें आ रही थी। अधिकारियों ने इसे गम्भीरता से नहीं लिया।

जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। जिले के गांव खिड़वाली में युवक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। वारदात में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना सदर के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि गांव खिड़वाली निवासी शरण की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि 15 जुलाई 2025 की रात शरण और सुनील, बलजीत के मकान में सो रहे थे। इसी दौरान दो युवक हथियारों के साथ घर के बाहर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर अंदर घुसने का प्रयास किया। आरोप है कि हमलावरों ने शरण को जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। शोर मचाने पर दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए।

इस मामले की जांच उप निरीक्षक जितेंद्र द्वारा की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने 27 मार्च को आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिषेक पुत्र कर्ण निवासी राजनगर, टोहाना के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी से पूछताछ की जा रही है ताकि वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की भी पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 29 मार्च 2026

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन
मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

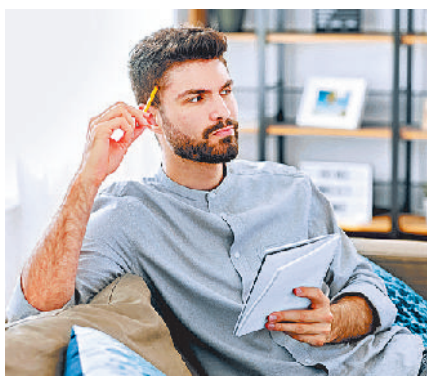

{ कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन }

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रृंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

{ लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा }

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

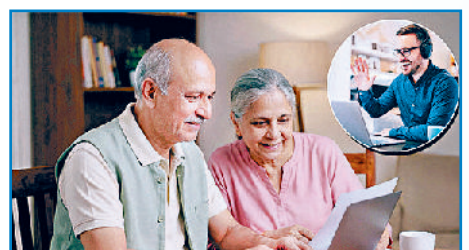

शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोचः बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

सक्रियता को प्राथमिकताः सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

कर रहे आजादी का एहसासः असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

{ व्यंग्य / राजा चौरसिया }

बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। NBC@

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मेरे लिखने की मेज

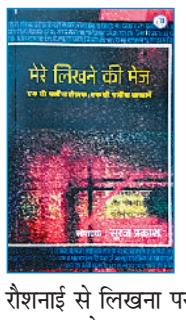

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तकः मेरे लिखने की मेज, संपादकः सूरज प्रकाश, मूल्यः 449 रुपए, प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रोचक
अंजू जैन

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

फर्स्ट अप्रैल यानी अप्रैल फूल डे पर लोग एक-दूसरे के साथ प्रैंक कर खूब एंज्वॉय करते हैं। अतीत में इस मौके पर कुछ मशहूर कंपनियों, टेलीविजन और रेडियो स्टेशंस ने ऐसे प्रैंक्स किए, जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई। यहां ऐसे ही कुछ चर्चित अप्रैल फूल प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं।

दुनिया भर में मशहूर हुईं ये मजेदार शरारतें

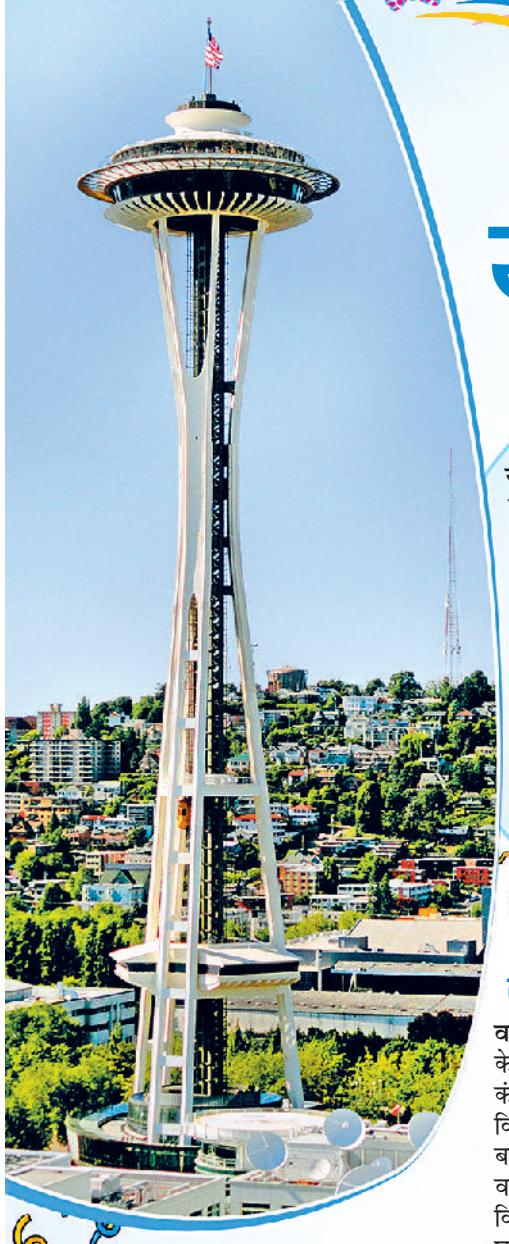

स्पेस नीडल गिरने की खबर

यह प्रैंक 1 अप्रैल 1989 को शाम के समय टीवी पर प्रसारित किया गया था। सिएटल के एक स्थानीय स्केच कॉमेडी शो, 'ऑलमोस्ट लाइव!' ने किंग टीवी पर एक विशेष रिपोर्ट प्रसारित की थी। रिपोर्ट में गंभीरता से दावा किया गया कि शाम 6:53 पर वाशिंगटन के सिएटल में स्थित स्पेस नीडल गिर गई है। शो ने टॉवर के गिरने की फर्जी तस्वीरें और चश्मदीदों के झूठे इंटरव्यू भी दिखाए। यह प्रैंक इतना विश्वसनीय लगा कि पूरे सिएटल में दहशत फैल गई। लोगों ने घबराहट में इमरजेंसी सेवाओं पर इतने फोन किए कि लाइनें ठप हो गईं। यहां तक कि टॉवर के आस-पास रहने वाले लोग भागने लगे। स्थिति बिगड़ने के बाद, चैनल को तुरंत स्पष्ट करना पड़ा कि यह सिर्फ एक मजाक था। बाद में, शो के निर्माताओं और चैनल को इस प्रैंक के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। *

टूथपेस्ट से बर्गर की स्मेल

साल 2017 में फास्ट-फूड चेन बर्गर किंग ने दावा किया कि उन्होंने एक ऐसा टूथपेस्ट बनाया है, जिसमें एक्टिव हॉपर अर्क है, इसके कारण आपके मुंह से हमेशा बर्गर की खुशबू आएगी। लोग ब्रश करने के बाद भी अपने पसंदीदा बर्गर के स्वाद का आनंद ले सकेंगे। विज्ञापन में बताया गया कि इसमें 'व्हाइटनिंग अनियन' (सफेद करने वाले प्याज), 'डेली फ्रेश टोमैटो' (ताजा टमाटर) और एंटी-कैविटी स्टेक (कैविटी रोकने वाला मांस) जैसी चीजें शामिल हैं। इस प्रैंक को असली दिखाने के लिए बर्गर किंग फ्रांस और विज्ञापन एजेंसी बजमैन ने एक 60 सेकेंड का कमर्शियल वीडियो भी जारी किया था। यह प्रैंक मार्च के अंत में (29-31 मार्च) शुरू किया गया था ताकि 1 अप्रैल तक लोगों को भ्रमित किया जा सके। यह केवल एक मजेदार विज्ञापन अभियान था और बर्गर किंग ने कभी-भी ऐसा कोई टूथपेस्ट बाजार में नहीं बेचा। *

लेफ्ट-हैंडेड बर्गर

वर्ष 1998 में एक अप्रैल के आस-पास बर्गर किंग कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन दिया कि उन्होंने बाएं हाथ से काम करने वाले लोगों के लिए एक विशेष बर्गर बनाया है, जिसमें सभी मसाले 180 डिग्री घुमाकर रखे गए हैं। यह सुनकर हजारों लोग इसे ऑर्डर करने लगे। बाद में पता चला कि यह प्रैंक था। *

हूटर्स वेट्रेस और योडा

वर्ष 2001 में घटित हुई एक घटना, जो एक मजाक के रूप में शुरू हुई थी, लेकिन बाद में यह कानूनी लड़ाई में बदल गई थी। इसे 'टॉय योडा' केस के रूप में जाना जाता है। हुआ यह कि अप्रैल 2001 में, पनामा सिटी बीच, फ्लोरिडा के हूटर्स रेस्तरां के मैनेजर ने अपनी वेट्रेसेस के बीच बीयर बेचने की एक प्रतियोगिता रखी। मैनेजर ने वादा किया कि जो सबसे ज्यादा बीयर बेचेगी, उसे इनाम में एक नई टोयोटा (कार) दी जाएगी। जोडी बेरी नाम की वेट्रेस ने सबसे ज्यादा बिक्री की और प्रतियोगिता जीत ली। जब इनाम देने का वक्त आया, तो मैनेजर ने जोडी की आंखों पर पट्टी बांधी और उसे पार्किंग लॉट में ले गया। लेकिन वहां कोई कार नहीं थी। इसके बजाय उसे 'स्टार वार्स' फिल्म के पात्र योडा का एक खिलौना थमा दिया गया। जोडी को यह मजाक बिल्कुल पसंद नहीं आया। उसने नौकरी छोड़ दी। यही नहीं रेस्तरां पर धोखाधड़ी और अनुबंध तोड़ने का मुकदमा भी दायर कर दिया। *

स्क्रीन में सुगंध

साल 2013 में गूगल ने अपने एक नए फीचर 'गूगल नोज' के जरिए दावा किया था कि अब लोग सर्च इंजन के माध्यम से चीजों को सूंघ भी सकेंगे। दावा किया गया कि उनके पास 15 मिलियन से अधिक सुगंधों का डेटाबेस है। गूगल यूजर्स को इसका अनुभव लेने के लिए कहा गया कि वे सर्च बार में जाकर कुछ सर्च करें और फिर अपने डिवाइस की स्क्रीन के करीब जाकर सूंघें। इसमें 'नई कार की महक', 'गीले कुत्ते की महक' और यहां तक कि 'मिस्र के मकबरे' जैसी अजीबो-गरीब चीजों को सूंघने का विकल्प दिया गया था। लेकिन इसे टेस्ट करने के लिए जब लोग स्क्रीन सूंघने की कोशिश करते और कुछ महसूस नहीं होता, तो अंत में एक संदेश आता कि यह अप्रैल फूल प्रैंक था। *

पर्यटन स्थल
समीर चौधरी

स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। लेकिन अगर आप यहां स्वच्छ, मनोरम वादियों के बीच आध्यात्मिक शांति का अनुभव लेना चाहते हैं तो 'की गोंपा' यानी 'की मठ' जरूर जाना चाहिए। इसकी विशेषताओं पर एक नजर।

स्वर्ग जैसी अनुभूति देता है स्पीति घाटी का 'की मठ'

हिमाचल प्रदेश के स्पीति में काजा से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित 'की मठ' की सैर के दौरान आपको एहसास होगा कि जैसे स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया है। हालांकि अपने देश और हिमाचल प्रदेश के अन्य पर्वतीय पर्यटन स्थलों की तुलना में यहां पर्यटकों की आवक कम होती है।

सबसे पुराना-बड़ा मठः लगभग 13,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित 'की मठ' स्पीति घाटी में सबसे पुराना और सबसे बड़ा मठ है। पहाड़ के ऊपर स्थित यह मठ कई मंजिला है, जिसकी तुलना अकसर लेह के निकट स्थित आइकॉनिक थिकसे मठ से की जाती है। अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के अतिरिक्त 'की गोंपा' अपनी सुंदर संरचना और शांत वातावरण के लिए भी विख्यात है।

निर्माण और नवीनीकरणः की गोंपा का निर्माण 11वीं सदी के आस-पास माना जाता है। इस मठ का गहरा संबंध बौद्ध संत लोचेन रिनचेन जंगपो के पूजनीय अवतारों से है, जो 958 से 1055 ईस्वी के बीच हुए थे। इसकी गहरी जड़ें प्राचीन कदंपा विरासत से भी जुड़ी हैं और इसे लोचेन तुलकुस विरासत की पीठ माना जाता है। इस विरासत के माध्यम से 'की मठ' 11वीं शताब्दी के विख्यात बौद्ध विद्वान और संत अतिशा दिपांकर से भी जुड़ जाता है।

इस मठ का पुनर्निर्माण 15वीं शताब्दी के शुरू में शेरपा जंगपो ने करवाया, जो गेलुग्पा समुदाय के संस्थापक जे त्सोंगखापा के शिष्य थे। पांचवें दलाई लामा के युग में यानी 17वीं शताब्दी में इस मठ पर मंगोलों ने हमला किया, जिसके बाद यह औपचारिक रूप से गेलुग्पा स्कूल (प्रमुख तिब्बती बौद्ध संप्रदाय) का हिस्सा बन गया। फिर 1820 के लद्दाख-कुल्लू टकराव के दौरान भी इसे नुकसान पहुंचा। 1841 में डोगरा सेना और सिख सेना ने इसे काफी नुकसान पहुंचाया। 1840 के दशक में इसमें भयंकर आग भी लगी थी। 1975 में आए भूकंप की वजह से भी इस मठ को काफी नुकसान पहुंचा था। तब आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और स्टेट पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी मरम्मत कराई थी।

बहुत कुछ है दर्शनीयः 'की मठ' की बाहरी सुंदरता तो मनोरम और स्वार्गिक अनुभूति देने वाली है ही, मठ के भीतर भी बहुत कुछ ऐसा है, जो दर्शनीय है।

साल 2000 में 14वें दलाई लामा ने इस मठ में एक नए विशाल असेंबली हॉल का उद्घाटन किया था। इस हॉल की दीवारों पर कुछ बहुत ही सुंदर प्राचीन पेंटिंग्स लटकी हुई हैं, जो बुद्ध के पिछले जन्मों की कहानियों को व्यक्त करती हैं। मुख्य असेंबली हॉल के सामने पूजा करने का कमरा है, जिसमें एक विशाल पूजा चक्र है। इसके अलावा पद्मसंभव और अमितायुस की प्रतिमाएं भी हैं। 'की मठ' अपनी वॉल हैंगिंग्स और ऐतिहासिक कलाकृतियों के लिए विख्यात है। मठ के टॉप फ्लोर पर जो अपार्टमेंट है, वह दलाई लामा के लिए आरक्षित है। निचले माले पर मठ की रक्षा करने वाले देवताओं को समर्पित एक मंदिर है, जबकि उसके नीचे जो एक अन्य असेंबली हॉल है, उसे छोटे आयोजनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यहां दुर्लभ धर्मग्रंथ, पुरानी वॉल पेंटिंग्स और भविष्य के बुद्ध मैत्रेय की मूर्ति भी है।

यात्रा का उपयुक्त समयः 'की मठ' की यात्रा के लिए आदर्श समय मई से अक्टूबर के बीच का है, जब यहां हल्की-सुहानी ठंड पड़ रही होती है। सड़कें खुली होती हैं और स्पीति वादी की सुंदरता अपने शबाब पर होती है। इस दौरान यहां का तापमान आमतौर से 10 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच में होता है।

ठंड के मौसम में तो यहां तापमान माइनस 20 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर जाता है। भारी बर्फबारी के कारण सड़कें बंद हो जाती हैं। हालांकि मठ तो खुला रहता है, लेकिन उस तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

जो पर्यटक सांस्कृतिक अनुभव लेने की इच्छा रखते हैं, उन्हें अपनी यात्रा की योजना जुलाई में बनानी चाहिए, जब यहां चाम उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस उत्सव में बौद्ध भिक्षु परंपरागत मुखौटा नृत्य करते हैं। यह नृत्य बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में किया जाता है। *

मौसम में गर्माहट घुलने के साथ ही युवाओं का फैशन और ड्रेसिंग स्टाइल बदलने लगा है। बदलते हुए फैशन ट्रेंड को देखकर लगता है कि इन गर्मियों में जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज रहेगा। यंगस्टर्स को यह फैशन ट्रेंड क्यों इतना भा रहा है?

इन गर्मियों में रहेगा जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज

ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

मार्च की शुरुआत के साथ ही हल्की गर्माहट जैसे वातावरण में फैली तो कॉलेज परिसरों, कैफे और शहर की सड़कों पर एक नया फैशन ट्रेंड दिखाई पड़ने लगा। यह है जेंडर न्यूट्रल फैशन। वास्तव में यह केवल ड्रेस का बदलाव नहीं, बल्कि सोच और पहचान का बदलाव भी है। अब फैशन यह नहीं पूछता कि आप मेल हैं या फीमेल। अब फैशन यह जानना चाहता है कि आप कौन हैं? भारत के युवा विशेषकर जेन-जी और नए प्रोफेशनल्स अब ऐसी ड्रेसेस चुन रहे हैं, जो आरामदायक हों, अभिव्यक्ति के अनुकूल हों और किसी जेंडर विशेष की सीमाओं में न बंधते हों।

बदल रही है फैशन की परिभाषा

लंबे समय तक फैशन की दुनिया स्त्री और पुरुषों के दो अलग-अलग खांचों में बंटी रही है। लेकिन हाल के सालों में फैशन के बीच जेंडर की यह दूरी धीरे-धीरे धुंधली होने लगी है। आज के युवा मानते हैं, ड्रेस शरीर के लिए होती है, किसी जेंडर विशेष के लिए नहीं। दिल्ली, मुंबई, पुणे और बैंग्लुरु के कॉलेजों में यह अब आम दृश्य है कि एक ही तरह के ओवर साइज शर्ट लड़कियां भी पहनती हैं और लड़के भी। वैसे ही ढीले ट्राउजर भी दोनों पहनते खूब दिखते हैं। जेंडर न्यूट्रल फैशन अब सिर्फ बड़े शहरों और सेलिब्रिटी क्लास की ही सोच नहीं दर्शाता बल्कि यह अवधारणा छोटे शहरों से लेकर मझोले शहरों और कस्बों तक में फैल रही है।

गर्मियों के लिए है उपयुक्त

जेंडर न्यूट्रल फैशन, किसी और मौसम में चाहे दोनों के लिए उपयुक्त न हो, लेकिन गर्मी के मौसम में यह ब्वॉयज और गर्ल्स दोनों के लिए आरामदायक फैशन माना जाता है। लूज ड्रेसेस, शरीर को जहां पसीने की परेशानी से दूर रखती हैं, वहीं लिनेन और कॉटन जैसे नेचुरल फैब्रिक, त्वचा के अनुकूल होते हैं। यही कारण है कि इन गर्मियों में लिनेन की शर्ट, कॉटन कुर्ते और ढीले ट्राउजर खूब लोकप्रिय होने जा रहे हैं।

ये कलर्स रहेंगे पॉपुलर

जेंडर न्यूट्रल फैशन की पहचान केवल डिजाइन या फैब्रिक से नहीं, रंगों से भी होती है। आने वाले दिनों में ब्राइट कलर्स की जगह, बेज, व्हाइट, ग्रे, ऑलिव ग्रीन और लाइट ब्लू जैसे प्लीजेंट कलर्स का बोलबाला रहने वाला है। क्योंकि ये कलर्स हमारी आंखों के साथ-साथ त्वचा और पूरे शरीर को गर्मी से राहत देते हैं। इन कलर्स की ड्रेसेस मेल-फीमेल सभी पर सूट करते हैं।

सोशल मीडिया का रोल

जेंडर न्यूट्रल फैशन की ओर झुकाव की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया भी है। इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और पिंटरेस्ट जैसे सोशल साइट्स पर हजारों युवा इन दिनों फैशन कंटेंट खूब बना रहे हैं, जो जेंडर की सीमाओं को तोड़ते हैं। अब फैशन डिजाइनर ही फैशन ट्रेंड तय नहीं करते बल्कि कॉलेज के युवा, यंग प्रोफेशनल्स और कंटेंट क्रिएटर्स भी फैशन के नए ट्रेंड सेट कर रहे हैं। एक सिंपल ओवर साइज शर्ट और लूज ट्राउजर में बनी इंस्टाग्राम की वायरल रील भी लाखों युवाओं को यह फैशन अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

कंफर्ट-स्टाइल से कहीं बढ़कर

जेंडर न्यूट्रल फैशन, केवल कंफर्ट या स्टाइल का मामला नहीं है। इसे आत्मविश्वास और स्वतंत्र सोच से भी जोड़कर देखा जाता है। यह फैशन स्टाइल युवाओं को यह संदेश देता है कि वे अपनी पहचान स्वयं तय कर सकते हैं। आज के युवा फैशन को पारंपरागत ड्रेस पहनने के नियम का पालन करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी सोच, पसंद और स्वतंत्रता को व्यक्त करने के लिए अपना रहे हैं। यही कारण है कि जेंडर न्यूट्रल फैशन, तेजी से युवाओं की पसंद बनता जा रहा है।

बदल रही फैशन इंडस्ट्री

यंगस्टर्स की पसंद को देखते हुए, देश के प्रमुख फैशन ब्रांड्स में भी अब जेंडर न्यूट्रल यूनिसेक्स कलेक्शन की बड़ी रेंज दिखती है। कई नए स्टार्टअप्स जेंडर-न्यूट्रल ड्रेसेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट है कि फैशन उद्योग भी अब जेंडर न्यूट्रल जैसे बदलाव को स्वीकार कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में फैशन में मैन और वुमेन की बजाय ऑल या यूनिसेक्स जैसे सेक्शन हुआ करेंगे।

कह सकते हैं कि इस साल की गर्मियां अभी से यह स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि फैशन अब जेंडर की सीमाओं से मुक्त हो रहा है। जेंडर न्यूट्रल फैशन न्यू एज फैशन का पसंदीदा ट्रेंड बनकर उभर रहा है। *

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

दर्शकों को खूब आती हैं पसंद हॉरर-कॉमेडी कॉम्बो फिल्में

हालांकि शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बनती रही हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों से हॉरर फिल्मों में कॉमेडी का कॉम्बो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। यही वजह है कि ऐसी फिल्में लगातार बन रही हैं और दर्शकों को पसंद भी आ रही हैं। ऐसी ही कुछ हॉरर-कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

बीते कई वर्षों से हिंदी फिल्मों में हॉरर, थ्रिलर के साथ कॉमेडी वाला तड़का दर्शकों को खूब अट्रैक्ट कर रहा है। रहस्य-रोमांच और साफ-सुथरी कॉमेडी पसंद करने वाले दर्शक इसे सपरिवार देख सकते हैं, क्योंकि इस तरह की फिल्मों में हॉरर और कॉमेडी का कॉम्बो देखने को मिल जाता है। यह इसका प्लस प्वाइंट है।

हॉरर-थ्रिलर-कॉमेडी का कॉकटेलः कुछ वर्षों से हॉरर कॉमेडी जॉनर की फिल्मों का दौर चल पड़ा है। ऐसी मूवी में ह्यूमर और हॉरर का कॉकटेल नजर आता है। अजय देवगन की 'गोलमाल अगेन' (2017) में हॉरर और कॉमेडी के साथ-साथ इमोशनल टच भी देखने को मिला। इसी थीम पर बेस्ड 'गो गोवा गॉन' (2013) फिल्म ने भी दर्शकों को बांधे रखा। यह गोवा में फिल्माई गई हॉरर, थ्रिलर और जॉम्बिज एक्शन वाली कॉमेडी मूवी है। वर्ष 2025 में रिलीज हुई 'थाम्मा' में आयुष्मान खुराना ने बेताल (पिशाच) की भूमिका निभाई। इसी फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मनुष्यों का खून चूसने वाले खतरनाक विलेन का रोल निभाया। वर्ष 2024 में रिलीज्ड 'मुंज्या' भी एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। कोई बड़ा स्टार नहीं होने के बावजूद इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इससे काफी पहले अमिताभ बच्चन की 'भूतनाथ' (2008) और 'भूतनाथ रिटर्न्स' (2014) भी सुपरनेचुरल कॉमेडी ड्रामा फिल्में थीं। इन दोनों ही फिल्मों की कहानी में नयापन था, ताजगी थी। साथ ही कलाकारों के जानदार अभिनय और कमाल के पिक्चराइजेशन ने दर्शकों को बांधे रखा। इसीलिए ये फिल्में सफल रहीं।

'स्त्री' ने कर दिखाया कमालः साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' की सफलता ने इस ट्रेंड को सेट करने में बड़ा रोल निभाया। राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकारों के अभिनय से सजी इस फिल्म में हर घर के सामने लिखी लाइन 'ओ स्त्री, कल आना!' दर्शकों के दिलोदिमाग में घर कर गई। इस फिल्म के कई दृश्य दर्शकों के मन में आज भी तरोताजा हैं। 'स्त्री' की सफलता के बाद से इस तरह की फिल्मों का ट्रेंड-सा चल पड़ा। 2024 में आई 'स्त्री-2' भी दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी, इस फिल्म को भी बड़ी सफलता मिली।

इस साल आएगी 'भूत बंगला'ः इस साल हॉरर-कॉमेडी जॉनर में अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्देशक है प्रियदर्शन। ये वही प्रियदर्शन हैं, जिन्होंने साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'भूल-भुलैया' बनाकर कैरेक्टर मोंजूलिका (विद्या बालन) को फेमस किया था। वैसे आपको बता दें कि कई दशक पहले साल 1965 में महमूद ने ब्लैक एंड व्हाइट 'भूत बंगला' बनाई थी, जिसमें हॉरर, थ्रिलर और कॉमेडी का मनोरंजक मेल था। उस दौर में ये अपनी तरह की नई पहल थी। उसे इस जॉनर की पहली फिल्म भी माना जाता है।

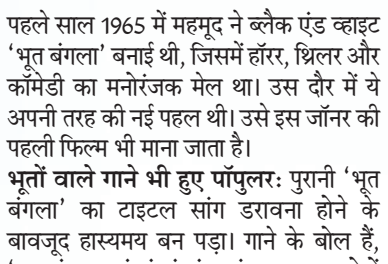

भूतों वाले गाने भी हुए पॉपुलरः पुरानी 'भूत बंगला' का टाइटल सांग डरावना होने के बावजूद हास्यमय बन पड़ा। गाने के बोल हैं, 'भूत बंगला, हां हां हां हां कहां आ गए हम दोनों।' इस गाने में महमूद और आर. डी. बर्मन के साथ भूतों को नाचते दिखाया गया है। महमूद, आर. डी. बर्मन और सुदेश की डरावनी आवाजें डराती कम, हंसाती-गुदगुदाती ज्यादा हैं। आने वाली 'भूत बंगला' में भी ऐसे ही एक गाने के बोल हैं, 'रामजी आकर सबका भला करेंगे।' इसमें अक्षय कुमार अजीबो-गरीब वेशभूषा में अजीब, अटपटी हरकतें करते हुए, भूतों के साथ नाचते-गाते दिखते हैं। दर्शकों के मन में सस्पेंस जगाने, डराने के लिए स्पेशल इफेक्ट का सहारा भी लिया गया है। यह कोई नया चलन नहीं है। ऐसे गीतों का सिलसिला काफी पहले से शुरू हो चुका है। फिल्म 'चाचा-भतीजा' (1977) में हेमा मालिनी और सोनिया साहनी पर फिल्माया गया गीत, 'भूत राजा बाहर आ जा। सीधी तरह से मान जा नहीं तो बजा दूंगी तेरा बैंड बाजा।' इसमें उनके साथ धर्मेंद्र और रणधीर कपूर भी हैं। आगे चलकर ऐसा ही गाना 'चालबाज' (1989) में श्रीदेवी और रजनीकांत पर पिक्चराइज किया गया। गाने के बोल थे, 'ओ भूत राजा फंस गई मुश्किल में, भूतों की महफिल में।' कविता कृष्णमूर्ती, सुदेश भोसले की आवाज में यह गाना मनोरंजक है। 'हाउसफुल-4' का 'द भूत सॉन्ग।' अलग-थलग अंदाज वाले गाने का रिमिक्स वर्जन है। मिका सिंह, फरहाद द्वारा गाए इस रैपनुमा गाने में बड़े, खर्चीले सेट और कई स्टार दिखाए गए हैं। इस दिलचस्प गाने को देखते-सुनते समय डर तो नहीं लगता, हां मजा जरूर आता है। इसीलिए यह गाना काफी हिट भी रहा।

हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का फंडाः हॉरर फिल्मों में दिल दहला देने वाले दृश्य देखकर दर्शक कई बार अचंभित-भयभीत होते हैं। डर के मारे रोमांचित भी होते हैं। उसी समय उनका ध्यान कंवर्ट करने के लिए कॉमेडी सींस दिखाए जाते हैं। इससे वे भयमुक्त होकर हंसने लगते हैं। यही वजह है कि हॉरर, थ्रिलर, कॉमेडी का कॉम्बिनेशन दर्शकों को लुभा रहा है। इसी कारण धड़ल्ले से इनकी फ्रेंचाइजी फिल्में भी बन रही हैं। जैसे- 'भूल-भुलैया', 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या' आदि। *